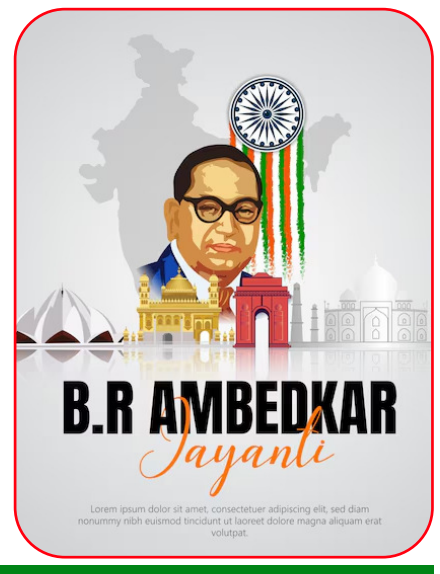
दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 122 | संभल, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.



पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

देशभर में मनाई जाएगी डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती



14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती देशभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों और शहरों में भव्य कार्यक्रमों, रैलियों और श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया जाएगा। राजधानी नई दिल्ली सहित कई प्रमुख स्थानों पर बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया जाएगा। इसके अलावा सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा संगोष्ठियां और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

डॉ. आंबेडकर जयंती के मौके पर उनके द्वारा दिए गए समानता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। कई स्थानों पर प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी, वहीं युवाओं द्वारा जागरूकता रैलियां भी आयोजित की जाएंगी।

प्रेरणास्रोत और महान योगदान

डॉ. भीमराव आंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक रहा है। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाई और देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक ढांचा प्रदान किया। समाज में व्याप्त छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ उन्होंने आजीवन संघर्ष किया और दलितों, पिछड़ों व वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई।

बाबा साहेब ने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताते हुए लोगों को जागरूक किया और महिलाओं के अधिकारों व समानता के लिए भी महत्वपूर्ण प्रयास किए। उनके विचार और कार्य आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जो समाज में समानता और न्याय के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर गरीबों और जरूरतमंदों के लिए भोजन वितरण, कपड़े और शैक्षणिक सामग्री बांटने जैसे सामाजिक कार्य भी किए जाएंगे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती न केवल उनके योगदान को याद करने का दिन है, बल्कि समाज में समानता, एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश भी देती है।

शब्द सुमन | अतुल तारे

हम इंतजार करेंगे...

आशा जी, आपने अच्छा नहीं किया। आप आशा थीं, हम सबके बीच। लता जी के बिछुड़ने का गम अभी हरा ही था।

उनका वह गीत रह रह कर याद आता रहा...शायद इस जन्म में मुलाकात हो न हो...भारतीय फिल्म संगीत में एक न भरने वाला वह शून्य खड़ा कर ही गई थीं।...पर आशा जी हैं। एक आशा थी। आज वह भी टूट गई।

फिल्म उमरावजान 1981 में आई थी। निर्देशक थे मुजफ्फर अली। उनसे पूछा गया, आपने इस फिल्म में जहां शास्त्रीय गायन रहने ही वाला है, आपने लता जी को क्यों नहीं लिया पार्श्व गायन के लिए? मुजफ्फर अली ने कहा, लता जी की तुलना लता जी से ही संभव है। पर मैं दूसरी 'पाकीजा' नहीं बनाना चाहता था, इसलिए आशा जी को लिया। आशा जी और उमरावजान आज एक साथ याद किए जाते हैं।

'इन आंखों की मस्ती के मस्ताने हजारों हैं' पर जब रेखा अभिनय करतीं हैं तो दर्शक आशा भोसले की आवाज में आंखों से भी कहीं अधिक खो जाते हैं। आशा भोसले फिल्म संगीत का एक ऐसा अध्याय है, जो शायद अगले कई दशकों तक सामने आएं, इसकी संभावना न्यूनतम है। मैंने उमरावजान से अपनी बात शुरू इसलिए की कि आशा जी के बारे में यह माना जाता रहा था कि वह 'इक तू है पिया जिस पे दिल आ गया' या रात बाकी, बात बाकी होना है जो हो जाने दो' के लिए मुफीद हैं। उनकी आवाज में मदहोशी है, तरन्नुम है, लहर है। इसलिए वह इक तू है जब लचक के साथ कहतीं हैं तो रेखा की लचक अभिनय में भी दिखाई देती है और परवीन बॉबी के लिए होना है जो हो जाने दो गातीं हैं तब हो ..ना के बीच में और जा..ने दो के बीच भी एक ऐसी मीठी शरारत है जो आशा जी ही कर सकतीं हैं। कौन भूल सकता है और कब अब जंगली और कश्मीर की कली जैसी फिल्म फिर पर्दे पर होंगी! सायरा बानो हों या शर्मिला टैगोर, दोनों अपने समय की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री। सायरा बानो के लिए *एहसान तेरा होगा मुझ पर* ...जब आशा जी ने स्वर दिए और आज भी जब हम सुनते हैं तो आंखों में पानी आता ही है और जब वही आशा जी शर्मिला टैगोर के लिए *'दीवाना हुआ बादल ..सावन की घटा छाई..'* गातीं हैं तो युवा मन ही नहीं हर एक का दिल झूमने लगता है। बेहद संघर्ष से अपने प्रारंभिक जीवन काल को अपनी बड़ी बहन के साथ आशा भोसले ने आगे बढ़ाया मंगेशकर से वह भोसले बनीं, पर यह रिश्ता चल न सका। संगीत उन्हें पंचम दा के करीब लाया और लगा ये 'सोल मेट' हैं। पंचम दा के संगीत आशा भोसले के करियर में एक नई ऊंचाई दी

पंचम दा ने चुलबुली आशा को पहचाना। वह समझ गए थे कि उनकी आशा एक अल्हड़ नदी की तरह है, जैसे नर्मदा। गंगा की तरह ठहराव नहीं है, आशा भोसले में। उनके कुछ प्रमुख सदाबहार गीतों में *'पिया तू अब तो आजा'* (कारवां), *'दम मारो दम'* (हरे रामा हरे कृष्णा), *'बाहों में चले आओ'* (अनामिका), ने उन्हें एक ऐसी ऊंचाई दी जहां हर तरफ उन्हीं के चर्चे रहे। उन्होंने उम्र को अपने ऊपर कभी हावी नहीं होने दिया। नई पीढ़ी के साथ रॉक और पॉप में भी आपने अपनी मस्ती दिखाई। लहराती, इठलाती, मदमस्त आवाज में एक ठहराव भी है मंद लय भी है यह उन्होंने उमराव जान में दिखा दिया।

'जुस्तजू जिसकी थीं, उसको तो न पाया हमने'

यह गाना भरी भीड़ में आज भी किसको तन्हा नहीं कर देता?

मन उदास है। आंखें नम। क्या दें शब्द सुम जब गला रूंधा हो और कलम कांप रही हो।

याद आ रहा है एक और गाना।

आशा जी और आशा पारिख शायद एक दूसरे के लिए ही बने थे। उन्हीं की फिल्म। मेरे सनम।

जाइए, आप कहां जाएंगे, ये नजर लौट के फिर आएगी

और अंत में

हम इंतजार करेंगे ...हम इंतजार करेंगे तेरा कयामत तक ..

खुदा करे कि कयामत हो और तू आए।

आपको आना होगा।

नमन।

संक्षिप्त समाचार

गायिका आशा भोंसले के निधन पर योगी ने जताया शोक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गायिका आशा भोंसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे कला और संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर कहा कि आशा भोंसले की अद्वितीय गायकी ने भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके मधुर स्वर सदैव देशवासियों के मन में गूंजते रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

नीतीश कैबिनेट की आखिरी 14 तारीख को

पटना। बिहार की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट की आखिरी बैठक 14 अप्रैल को बुलाई गई है। यह बैठक सुबह 11 बजे मुख्य सचिवालय में आयोजित होगी, जिसे मौजूदा सरकार की अंतिम कैबिनेट मीटिंग माना जा रहा है। इस अहम बैठक के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। उसके ठीक अगले दिन यानी 15 अप्रैल को नए मुख्यमंत्री शपथ लेंगे।

यूपीएससी ने निकाली कई पदों पर भर्ती

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने साल 2026 के लिए अलग-अलग मंत्रालयों के तहत कई पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के जरिए उम्मीदवारों को केंद्र सरकार के जरूरी विभागों में काम करने का मौका मिलेगा। चयनितों को मंत्रालयों में नौकरी का मौका मिलेगा।

युद्धविराम को लेकर पाकिस्तान के इस्लामाबाद में वार्ता बेनतीजा

अमेरिका-ईरान के बीच रार शर्तों पर मतभेद बरकरार

- 21 घंटे की बातचीत के बाद भी नहीं बनी सहमति

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुई लंबी और अहम वार्ता के बावजूद अमेरिका और ईरान किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंच सके। करीब 21 घंटे चली इस बैठक के बाद दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर कायम रहे। अमेरिका-ईरान के बीच रार कायम रही, वहीं शर्तों को लेकर मतभेद बरकरार रहे।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट कहा कि ईरान ने अमेरिका की प्रमुख शर्तों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, वहीं ईरान का कहना है कि पहली ही बैठक में किसी बड़े परिणाम की अपेक्षा करना यथार्थवादी नहीं था। वार्ता के बाद पत्रकारों से बातचीत में वेंस ने कहा, 'हम किसी समझौते तक नहीं पहुंच पाए हैं। यह स्थिति अमेरिका से अधिक



ईरान के लिए चिंताजनक है।' उन्होंने यह भी दोहराया कि अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियारों के निर्माण से पूरी तरह दूर रहने की ठोस प्रतिबद्धता दे। अमेरिका की मांग केवल हथियार न बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह यह भी चाहता है कि ईरान ऐसे किसी भी संसाधन या तकनीक को विकसित न करे, जिससे भविष्य में शीघ्रता से परमाणु हथियार तैयार किए जा सकें। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि किसी को भी यह उम्मीद नहीं थी कि पहली ही बैठक में कोई समझौता हो जाएगा। उनके अनुसार, यह एक लंबी प्रक्रिया है। इसमें समय लगना स्वाभाविक है।

पाकिस्तान की अपील संघर्षविराम बनाए रखें

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने दोनों देशों से अपील की कि वे संघर्ष-विराम के अपने वादों का पालन करें और शांति की दिशा में प्रयास जारी रखें। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए संवाद का मंच उपलब्ध कराया है और उसे उम्मीद है कि दोनों पक्ष सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ेंगे।

पुराना अविश्वास बना बड़ी बाधा

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच दशकों से चला आ रहा अविश्वास ही सबसे बड़ी बाधा है। वर्ष 1979 की ईरानी इस्लामी क्रांति के बाद से दोनों देशों के संबंध लगातार तनावपूर्ण रहे हैं। इसके अलावा, वर्ष 2015 में हुआ परमाणु समझौता भी बाद में अमेरिकी नेतृत्व द्वारा समाप्त कर दिया गया था, जिससे दोनों पक्षों के बीच भरोसे की खाई और गहरी हो गई।

बातचीत जारी रहने की उम्मीद

हालांकि, इस दौर की वार्ता बेनतीजा रही, लेकिन संकेत मिल रहे हैं कि संवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। दोनों पक्ष भविष्य में बातचीत जारी रख सकते हैं।

मुख्य विवाद: परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य

इस वार्ता में दो प्रमुख मुद्दे सामने आए। ईरान का परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस का निर्यात इसी मार्ग से होता है। इस कारण इस क्षेत्र में तनाव का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

शिवराज को मिला बिहार सीएम बनाने का जिम्मा

नई दिल्ली। बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनने वाला है और उस पहले मुख्यमंत्री के चुनाव का जिम्मा पार्टी नेतृत्व द्वारा मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री व केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपी गई है। संभवतः 15 अप्रैल को नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। उसके बाद राजग की बैठक में नए मुख्यमंत्री की घोषणा की जाएगी। केन्द्रीय भाजपा कार्यालय द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि केन्द्रीय संसदीय बोर्ड ने शिवराज सिंह चौहान को बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। चौहान एक.दो दिन पटना जा सकते हैं। वहां वह भाजपा विधायकों से रायशुमारी करेंगे। जद ;यूद्ध नेताओं से भी वह मुलाकात करेंगे। नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद अब 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की चर्चा है। लिहाजा उनके इस्तीफे के तुरंत बाद वहां नया मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। बिहार में गठबंधन के तहत हमेशा सहयोगी दल जदयू को मुख्यमंत्री का पद मिलता रहा है। पहली बार भाजपा को यह पद मिल रहा है जिसमें शिवराज सिंह की देखरेख में मुख्यमंत्री चुना जाएगा।

...तो इस बार गर्मी में नहीं रुलाएगी बिजली

- बढ़ी मांग के अनुसार सुचारु आपूर्ति बनाए रखने के लिए कवायद शुरू

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप दिखना शुरू हो गया है। गर्मी बढ़ते ही बिजली की मांग भी बढ़ जाती है। इसे देखते हुए योगी सरकार अलर्ट मोड पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ.आशीष गोयल ने अधिकारियों को सचेत किया कि गर्मियों में सभी को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिल सके, इसके लिए अभी से पूरी तैयारी कर ली जाय। साथ ही ट्रांसफार्मर खराब न हों, इसके लिए भी पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। उप्र पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष ने कहा कि ट्रांसफार्मर पर जीरो डैमेज नीति है और विद्युत आपूर्ति में ट्रांसफार्मर की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। लापरवाही के कारण अगर विद्युत आपूर्ति प्रभावित होगी तो जिम्मेदारी तय करके कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांसफार्मर फुंकने पर होगी कार्रवाई

डॉ. गोयल ने बताया कि ट्रांसफार्मर के अनुरक्षण के लिए पर्याप्त धनराशि दी गई है।



फ्यूज एवं टेललेस यूनिट हर ट्रांसफार्मर पर लगे, इसके लिए निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद अगर ट्रांसफार्मर फुकेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अधूरे कामों की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जहां पर भी कार्य काफी पीछे हैं, वहां फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाये। साथ ही अधिकारियों और अवर अभियंताओं पर भी जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाय। अध्यक्ष डॉ. गोयल ने अधिकारियों से कहा कि आने वाले दिनों में गर्मी अभी और बढ़ेगी। इसके लिए तैयारी उसी के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पर्याप्त संख्या में कर्मी उपलब्ध हैं। इसलिए कहीं भी आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। सबको शेड्यूल के अनुरूप बिजली प्राप्त हो।

सेवा कार्यों के माध्यम से बाबासाहेब को याद करेगी भाजपा

लखनऊ। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाजपा विभिन्न सेवा कार्यों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेगी। पूर्व संध्या पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सोमवार दोपहर 2:30 बजे रायबरेली के ग्राम कन्नावा में बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। तदोपरांत सायं 6 बजे लखनऊ में हजरतगंज स्थित बाबासाहेब की प्रतिमा पर 11,000 दीपक को प्रज्वलित करके दीपांजलि अर्पित करेंगे।

राष्ट्रीय महासचिव का लखनऊ प्रवास, मंत्रिपरिषद में बदलाव की चर्चा

विनोद तावड़े ने लिया मंत्रियों के 'कामकाज' पर फीडबैक

■ लखनऊ

भाजपा मुख्यालय में रविवार दोपहर तेज धूप के बावजूद गहमागहमी थी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुस्कुराते हुए कार से उतरे। अभिवादन कर राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े से मिलने चले गए। वहीं, दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने मुलाकात की है। इसके बाद अगले दिन दोनों ने लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की, जिसको लेकर राजनीतिक पारा चढ़ गया। भाजपा संगठन और मंत्रिपरिषद में बदलावों के तेज कयासों के बीच पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही, भूपेन्द्र सिंह चौधरी, मंत्री दयाशंकर सिंह ने भी तावड़े से मुलाकात की। यह क्रम शाम तक चलता रहा। सबसे

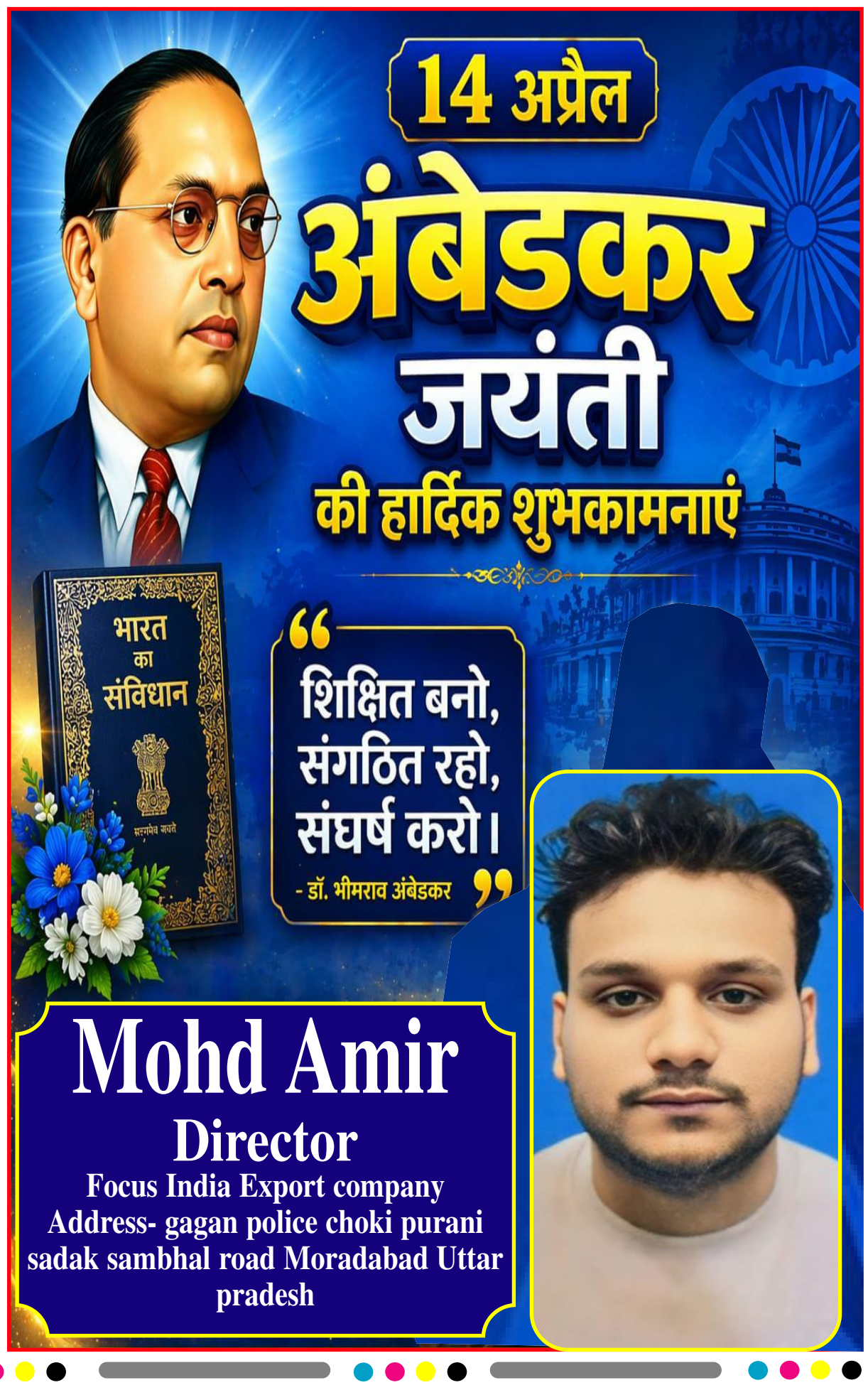


अलग-अलग मुलाकात कर मंत्रियों के कामकाज, चुनावी तैयारियों एवं जातीय समीकरणों में हलचल से होने वाले प्रभावों पर फीडबैक लिया। तावड़े ने पहले दिन मंत्रियों के कामकाज एवं संभावित विस्तार में नए चेहरों को लेकर चर्चा की। बताया जा रहा कि तावड़े सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर नई दिल्ली निकल जाएंगे। केंद्रीय एवं राज्य की इकाई में सहमति बनने के बाद पार्टी कई बड़े निर्णय ले सकती है।

-शेष अंतिम पृष्ठ पर

सरकार-संगठन के नेताओं से मुलाकात

राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने लखनऊ प्रवास के पहले दिन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह लोधी, असम के प्रभारी पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ.रमापति राम त्रिपाठी, कैबिनेट मंत्री/पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भेंटवार्ता की। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र नागर से दिल्ली में मुलाकात होगी। इसके साथ ही, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आगरा एवं मंत्री स्वतंत्र देव सिंह लखनऊ में मौजूद नहीं होने के कारण नहीं मिल सके।



दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

क्या फिर शुरू होगी अमेरिका-ईरान के बीच जंग

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शनिवार को अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर पहले से ही तय था कि यह वार्ता बेनतीजा समाप्त हो जाएगी, क्योंकि अमेरिका और ईरान दोनों ही इस वार्ता को लेकर उत्साहित नहीं थे। शांति वार्ता के विफल हो जाने से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के मंसूबों पर पानी फिर गया है। अगर यह वार्ता सफल हो जाती तो विश्व में उनकी प्रतिष्ठा बढ़नी तय थी, परंतु अब वे दोनों तीन में रहे न तेरह में। हालांकि वह दोनों दम भर रहे हैं कि अगले दस दिनों में फिर बातचीत फिर हो सकती है। शांति वार्ता टूटने से न केवल पश्चिम एशिया में फिर से मिसाइलों और बमों से हमले शुरू हो सकते हैं, बल्कि पाकिस्तान को भी गंभीर कूटनीतिक और सुरक्षा संकट में धकेल दिया है। पाकिस्तान इन वार्ताओं का मध्यस्थ बनकर वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को मजबूत करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन शांति वार्ता टूटने से पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक तरफ अमेरिका है, जिससे पाकिस्तान आर्थिक सहायता, आईएमएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से समर्थन और सुरक्षा सहयोग की उम्मीद रखता है तो दूसरी तरफ ईरान है जो पाकिस्तान का प्रत्यक्ष पड़ोसी है। दोनों देशों के बीच करीब 900 किलोमीटर लंबी सीमा है जो ऐतिहासिक रूप से संवेदनशील रही है। ईरान के साथ कोई भी टकराव पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को दशकों पीछे धकेल सकता है, क्योंकि सीमा क्षेत्र में पहले से ही अस्थिरता मौजूद है। शांति वार्ता के बीच पाकिस्तान ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। शनिवार को ही उसने अपने फाइटर जेट और सैन्य बल सऊदी अरब भेज दिए। यह कदम 2025 में सऊदी अरब के साथ हुए सुरक्षा समझौते के तहत उठाया गया है। इस समझौते के अनुसार यदि सऊदी अरब पर कोई हमला करेगा तो पाकिस्तान को उसकी सुरक्षा के लिए सैन्य सहायता प्रदान करनी होगी। फिलहाल सऊदी अरब अमेरिका का करीबी सहयोगी है और ईरान के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण हैं। पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति भी बेहद नाजुक है। पाकिस्तान में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिया आबादी रहती है। ईरान के खिलाफ किसी भी प्रकार के सैन्य सहयोग से पाकिस्तान में सांप्रदायिक दंगे या गृह युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। बलूचिस्तान और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में पहले से ही आतंकवादी गतिविधियां सक्रिय हैं। ऐसे में बाहरी दबाव आंतरिक अस्थिरता को और बढ़ा सकता है। सीमा पर तनाव के कारण हॉट बॉर्डर बनने की आशंका है। पाकिस्तान-ईरान सीमा पर जैश अल-अदल जैसे सुन्नी बलूच मिलिटेंट गुट पहले से सक्रिय हैं। ये समूह दोनों देशों के सुरक्षा बलों पर हमले करते रहे हैं। वार्ता विफल होने और क्षेत्रीय अराजकता बढ़ने पर ये गुट इस अस्थिरता का फायदा उठाकर हमले तेज कर सकते हैं। इससे सीमा क्षेत्र में सैन्य तैनाती बढ़ेगी, संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा और दोनों पड़ोसियों के बीच विश्वास की कमी और गहरी हो जाएगी। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति अत्यंत कठिन है, क्योंकि वह न तो अमेरिका को पूरी तरह नाराज कर सकता है और न ही ईरान के साथ सीधा संघर्ष मोल ले सकता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर दोनों ही इस समय तनाव में हैं। वे एक तरफ अमेरिकी दबाव को संभालने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ ईरान के साथ संबंध बनाए रखने के लिए कूटनीतिक चैनल खुले रखने पर जोर दे रहे हैं। सऊदी अरब के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाना भी दोधारी तलवार साबित हो सकता है। यह ईरान को भड़का सकता है। समग्र रूप से अमेरिका-ईरान वार्ता टूटने के बाद पाकिस्तान को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां उसकी हर चाल क्षेत्रीय संतुलन और घरेलू स्थिरता दोनों को प्रभावित करेगी।

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

सामयिक



उमेश चतुर्वेदी

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजराइली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही को ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला



जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है।

पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी, लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं)

संविधान

महिला आरक्षण विधेयक में होंगे प्रभावी बदलाव



प्रमोद भार्गव

नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार बड़े संवैधानिक बदलाव की तैयारी में जुट गई है। संसद के दोनों सदनों से पारित हुए इस विधेयक के प्रारूप में परिसीमन की शर्त को विलोपित कर सरकार की इच्छा लोकसभा और विधानसभाओं में 2027 से ही महिलाओं को आरक्षण देने की है। परिसीमन की शर्त के साथ इस प्रावधान को लागू करना 2029 से पहले संभव नहीं है। इस विधेयक में 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए संसद और विधानसभा की सीटें आरक्षित करना जरूरी है। अतएव 16,17 और 18 अप्रैल को विशेष सत्र आमंत्रित किया गया है।

केंद्र सरकार ने देश की आधी आबादी का अभिनंदन करते हुए सितंबर 2023 में 128 वां संवैधानिक संशोधन विधेयक पारित किया था। लोकसभा में 27 साल से यह विधेयक लंबित था। इस विधेयक के पारित होने के बाद संसद के दोनों सदनों से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत तय कर दी गई है। विधेयक के कानून में बदलने और क्रियान्वित होने के बाद वर्तमान स्थिति के हिसाब से लोकसभा में महिलाओं के लिए 181 और राज्य विधानसभाओं में 1374 सीटें आरक्षित हो गई हैं। इन सीटों पर महिला प्रत्याशी ही चुनाव लड़ सकेंगी। फिलहाल आरक्षण की यह सुविधा 15 वर्ष के लिए तय की गई है। लेकिन मांग के अनुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है। देश में इस समय करीब 44 करोड़ महिला मतदाता हैं।अतएव इसके कानून बनते ही ऐसे कई दोहरे चरित्र के चेहरे हाशिये पर चले जाएंगे, जो पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, गाहे-बगाहे बीते 27 साल से गतिरोध पैदा किए हुए थे। महिला आरक्षण विधेयक का मूल प्रारूप संयुक्त मोर्चा सरकार के कार्यकाल के दौरान गीता मुखर्जी ने तैयार किया था, लेकिन अक्सर इस विधेयक को लोकसभा सत्र के दौरान अंतिम दिनों में पटल पर रखा गया। इससे यह संदेह हमेशा बना रहा कि एचडी देवगौड़ा, इन्द्रकुमार गुजराल और अटलबिहारी वाजपेयी सरकारें गठबंधन के दबाव और राजनीतिक असहमतियों के चलते ठोस इच्छा शक्ति नहीं जता पाई थीं। हालांकि 9 मार्च 2010 में कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार ने जरूर इस विधेयक को राज्यसभा में पेश कर पास करा लिया था, लेकिन मनमोहन सिंह इसे लोकसभा से पारित नहीं करा पाए थे, जबकि उनके पास लोकसभा में स्पष्ट बहुमत था। इस सरकार को अपने ही सहयोगी दलों के जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ा था। सहयोगी गठबंधन के सांसदों ने पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, इस विधेयक को अटका दिया था। यहां तक की समर्थक दलों ने कांग्रेस को समर्थन वापसी की धमकी भी दे दी थी। हालांकि प्रजातंत्र में तार्किक असहमतियां, संवैधानिक अधिकारों व मूल्यों को मजबूत करने का काम करती हैं, लेकिन असहमतियां जब मुट्ठीभर सांसदों की अतार्किक हठधर्मिता का पर्याय बन जाएं तो

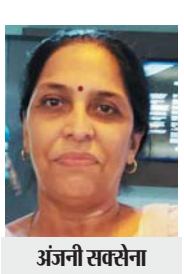


ये संसद की गरिमा और सदन की शक्ति को ठेंगा दिखाने वाली साबित होती हैं।

उस समय विधेयक से असहमत दलों की प्रमुख मांग थी, '33 फीसदी आरक्षण के कोटे में पिछड़े और मुस्लिम समुदायों की महिलाओं को विधान मंडलों में आरक्षण का प्रावधान रखा जाए।' जबकि संविधान के वर्तमान स्वरूप में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति के समुदायों को आरक्षण की सुविधा हासिल है। ऐसे में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लाभ कैसे संभव है? हमारे लोकतांत्रिक संविधान में धार्मिक आधार पर किसी भी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लिहाजा इस बिना पर मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण की सुविधा कैसे हासिल हो सकती है? अब ऐसी जानकारी मिल रही है कि 33 प्रतिशत आरक्षित सीटों के अलावा अनारक्षित सीटों पर भी महिलाओं की उम्मीदवारी को प्राथमिकता देने का प्रावधान जोड़ दिया जाए। इससे एक तो संसद में महिलाओं की कुल हिस्सेदारी 38 प्रतिशत से बढ़कर करीब 40 प्रतिशत हो जाएगी, दूसरे जो लोग पिछड़े समुदाय की महिलाओं को विधेयक में जोड़ने की मांग उठा रहे थे, उनकी बोलती बंद हो जाएगी। दरअसल इस कानून के वजूद में आ जाने के बाद अस्तित्व का संकट उन काडरविहीन दलों को है, जो व्यक्ति और जाति आधारित दल हैं। इसी कारण लालू, मुलायम और शरद यादव इस बिल के विरोध में दृढ़ता से खड़े होते रहे थे। उत्तरप्रदेश और बिहार में जातियता के बूते क्रियाशील इन यादवों की तिकड़ी का दावा रहता है कि इस अलोकतांत्रिक विधेयक के पास होने के बाद पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के लिए जम्हूरियत के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे। जबकि उनकी वास्तविक चिंता यह नहीं है? दरअसल 33 फीसदी आरक्षण के बाद बाहुबली बने पिछड़े वर्ग के आलाकमानों का लोकसभा व विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक आधार तो सिमटेगा ही, सदनों में संख्याबल की दृष्टि से भी इन दलों की ताकत घट जाएगी। अन्यथा ये सियासी दल वाकई उदार और पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के ईमानदारी से हिमायती हैं, तो सभी आरक्षित सीटों पर इन्हीं वर्गों से जुड़ी महिलाओं को उम्मीदवार बना सकते हैं? बल्कि अनारक्षित सीटों का भी इन्हें प्रतिनिधित्व सौंप सकते हैं? दरअसल इन कुटिल राजनीतिज्ञों के दिखाने और खाने दांत अलग-अलग हैं। गोया तय है कि अल्पसंख्यकों की बेहतर नुमाइंदगी की वकालात के इनके दावे थोथे हैं। इन दलों का दोहरा चरित्र इस बात से भी जाहिर होता रहा है कि जब देश की पंचायती राज्य व्यवस्था में महिलाओं का 33 फीसदी से 50 फीसदी आरक्षण बढ़ाने का विधेयक लाया गया था तब ये सभी दल एक राय थे। **(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार हैं)**

स्मृति शेष... संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया आशा भोसले ने

वह सुमधुर आवाज जो कभी मौन नहीं होगी



अंजनी सक्सेना

भारतीय संगीत के विशाल आकाश में कुछ सितारे ऐसे होते हैं, जिनकी रोशनी समय के पार चली जाती है। आशा भोसले उन्हीं में से एक थीं। उनका जाना केवल एक महान गायिका का निधन नहीं,उस युग का भी विराम है, जिसने सुरों को सिर्फ सुना नहीं, जिया था। आशाजी भारतीय संगीत के स्वर्णिम युग की अंतिम प्रतिनिधि थीं। जब यह खबर हमारे सामने है, तो मन मानने को तैयार नहीं होता क्योंकि कुछ आवाजें इतनी गहरी होती हैं कि वे हमारे जीवन का हिस्सा बन जाती हैं। वे रेडियो से निकलकर घरों में बसती हैं, यादों में घुलती हैं, और अनजाने में हमारी अपनी कहानी बन जाती हैं। वे भारतीय फिल्म संगीत जगत में बहुमुखी प्रतिभा की धनी गायिका थी। अपने फिल्मी जीवन के शुरुआती दौर में आशा जी को लता जी की कॉपी ही माना जाता था लेकिन आगे चलकर उन्होंने अपनी स्वयं की प्रतिभा के दम पर अपनी एक ऐसी शैली विकसित की जिसे आज तक कोई और दोहरा भी नहीं सका। आशाजी की गायन शैली पूरी फिल्म इंडस्ट्री में अनूठी और अनोखी रही लेकिन अब यह जादुई आवाज मौन हो गई है।

दशकों बाद आज भी जब पिया तू अब तो आजा की धुन बजती है, तो सिर्फ एक गाना नहीं बजता। पूरा दौर जीवित हो उठता है। उस एक पुकार 'मोनिका... ओ माय डार्लिंग! '...में जो नटखटपन, जो ऊर्जा, जो जीवन था, वही आशा भोसले की असली पहचान थी लेकिन उन्हें सिर्फ इसी एक रंग में सीमित कर देना उनके साथ अन्याय ही है। दम मारो दम... में उनकी आवाज विद्रोह बन जाती है तो चुरा लिया है तुमने जो दिल को... में वही आवाज मासूम मोहब्बत बन जाती है। दिल चीज क्या है...और इन आंखों की मस्ती में... उनकी गायकी शायरी बनकर दिल में उतरती है तो ये मेरा दिल में... वही आवाज ग्लैमर और आकर्षण की परिभाषा लिखती है।

मेरा कुछ सामान सुनते ही एक अजीब सा खालीपन महसूस होता



है तो आओ हुजूर तुमको...में वही आवाज जिंदगी को हल्के-फुल्के अंदाज में जीना सिखाती है। 'ओ हसीना जुल्फों वाली', 'जरा सा झूम लूं मैं', 'रंगीला रे', 'आज जाने की जिद न करो', 'ये क्या जगह है दोस्तों', 'राधा कैसे न जले', ये सिर्फ गीत नहीं हैं, ये भावनाओं का एक पूरा ब्रह्मांड हैं । जिसे आशा भोसले ने अपनी दिलकश और बिंदास आवाज से रचा था। आशा भोसले की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे हर गाने में एक किरदार बन जाती थीं। आर. डी. बर्मन के साथ उनकी जोड़ी ने संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और हेलेन के लिए उनकी आवाज ने स्क्रीन पर जादू रचा। ये ऐसा जादू था जिसमें आवाज और चेहरा एक हो जाते थे।

1933 में जन्मी आशा भोसले का जीवन आसान नहीं था। पिता के निधन के बाद कम उम्र में ही जिम्मेदारियां आ गईं। लता मंगेशकर जैसी महान बहन की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना किसी चुनौती से कम नहीं था। शुरुआत में उन्हें वे गाने मिलते थे, जिन्हें दूसरे कलाकार ठुकरा देते थे लेकिन आगे चलकर यही उनकी ताकत बनी। उन्होंने हर 'छोटे' मौके को इतना बड़ा बना दिया कि वही गीत उनकी पहचान बन गए। समय बदला, संगीत बदला, लेकिन आशा भोसले नहीं बदलीं। वे हर बार खुद को बदल लेती थीं। 90 के दशक में रंगीला फिल्म में गाने गाकर उन्होंने साबित किया कि उम्र उनके लिए मायने नहीं रखती। नई पीढ़ी के साथ कदम मिलाना, नए प्रयोग करना, यह उनकी आदत थी, मजबूरी नहीं। आशा भोसले सिर्फ एक गायिका नहीं थीं, वे एक मजबूत महिला के रुप में भी बेमिसाल थीं। जीवन के उतार-चढ़ाव, निजी संघर्ष,इन सबका असर उनकी आवाज पर नहीं पड़ा बल्कि हर दर्द, हर अनुभव उनकी गायकी को और गहरा करता गया।

(लेखिका स्तंभकार हैं)

अभी ना जाओ छोड़कर के दिल अभी भरा नहीं



डॉ. दिनेश पाठक

कहा जाता है बरगद के साये में किसी पौधे का पनपना बहुत कठिन होता है। पं. दीनानाथ मंगेशकर के असामयिक अवसान के बाद मंगेशकर परिवार की जिम्मेदारियों ने लता मंगेशकर को जाने अनजाने उस वटवृक्ष में परिणित कर दिया था जिसके साये में पूरा परिवार जीवन के संघर्षों से दो चार हो रहा था। लताजी बताती थीं, 'मैं गाने में बहुत अच्छी थी लेकिन युवा और भोली थी और दुनिया के बेरहम दस्तूर से अपरिचित थी। मेरी तो विधिवत् शिक्षा भी नहीं हुई थी, कोई पीछे देखने वाला भी नहीं था, तब फिर यदि मेरा काम छूट गया तो क्या होगा? यही सोचकर मैं कांप उठती थी, इसीलिए इच्छा न होने पर भी मुझे बहुत कुछ सहना पड़ता था। मेरा परिवार उस समय बड़े अभाव के दौर से गुजर रहा था। मेरी चचेरी बहन, आका इंदौर से अपने दो छोटे बच्चों के साथ हमारे यहां रहने आ गई थी। हम सब नौ सदस्य हो गए थे और कंपनी मुझे केवल 80 रुपए महीना देती थी, इससे तो घर का चूल्हा जलाना भी मुश्किल था।' वाकई लता ताई ने, मीना आशा, उषा और हृदयनाथ को अपने स्नेह की ठंडी छांव में उस सब से दूर रखा जिससे वो खुद गुजरी थीं। संगीत क्योंकि परिवार के संस्कार में था, इसलिए सभी धीरे-धीरे संगीत में पारंगत होते गए। कुछ घराने का असर और कुछ वंशानुगत खूबियां आशा को अपने शुरुआती गीतों के लिए जो वाहवाही मिलती उसमें मापदंड लता ही होतीं। लेकिन आशा को वो तारीफें खुश नहीं करतीं थीं। खुद आशा भोसले ने एक इंटरव्यू में कहा था,

'दीदी की तरह गाना गाने के लिए मुझे संघर्ष की जरूरत नहीं पड़ती। आवाज एक विरासत होती है। परिवार की तरफ से भी मिल सकती है... भगवान की तरफ से भी। लेकिन क्या था कि, जब मैं गाती थी तो लोग आगे आकर तारीफ करते और कहते आशाजी आपका गाना बहुत अच्छा लगा। ऐसा लगा कि बस जैसे लता दीदी ही गा रही हों। तो मैं सुनकर उदास



हो जाती... मुझे बड़ा दुःख होता। मैं सोचती थी कि जब तक असल चीज दुनिया में है, नकल को कोई अपनाएगा ही नहीं। इसलिए मेरे लिए अपनी एक 'सेपरेट आइडेंटिटी' (पृथक पहचान) के लिए संघर्ष जरूरी हो गया था। संयोग था कि कुछ ऐसा हुआ कि मेरी आवाज में थोड़ा फर्क आ गया। मैंने उसको पहचाना और धीरे-धीरे उसे 'डेवलप' किया। यहीं से मेरी आवाज 'आशा भोसले' की आवाज बनी। 'आशा भोसले की आवाज को सुनते हुए हमें बार-बार यह लगता है कि उनकी आवाज के दो सिरे हैं एक सिरा वह, जिसे सुनते हुए महसूस होता है जैसे यह आशा भोसले नहीं भारत की किसी एक आम स्त्री का स्वर है जबकि दूसरा सिरा वो है जिसे सुनकर लगता है कि यह एक ऐसी आधुनिक स्त्री की आवाज है जो जिंदगी को अपने ही अंदाज से जीना जानती है। हम यह कह सकते हैं कि लोगों ने विशेष तौर पर संगीतकारों ने आशा भोसले के स्वर के इस दूसरे सिरे को ही अधिक पहचाना और श्रोताओं से परिचित भी कराया। हम यह भी कह सकते हैं कि उन्होंने इसे ही आशा भोसले के स्वर की स्थायी पहचान बना डाला और शायद इसमें आशा ताई की भी मौन स्वीकृति सम्मिलित थी क्योंकि वे अपनी आवाज को लता मंगेशकर से अलग सिद्ध करना चाहती थीं।

हालांकि इस संसार में हर एक चीज की तुलना किसी दूसरी चीज से नहीं की जा सकती है और फिर आवाज के आयाम तो इतने विस्तृत होते हैं कि उन्हें किसी तयशुदा माप पर तुलनात्मक रूप से परख कर अंतिम निर्णय करना तो असंभव ही है,लेकिन फिर भी यदि हम इन दो आवाजों को कोई नाम देना चाहें तो कह सकते हैं कि, लता की आवाज यदि आत्मा है तो आशा की आवाज शरीर। आशा भोसले की आवाज में रोजमर्रा की जिंदगी में आंखों के सामने पड़ने वाली भारतीय स्त्री की बहुआयामी छवियां झलकती रही हैं। **(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

ढीले काम पर DM सख्त : हर घर जल में लापरवाही पर फर्मों पर गाज, सबमर्सिबल मुक्त गांव का अभियान तेज

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। धीमी प्रगति पर तीन फर्मों के खिलाफ शासन को पत्र भेजने के निर्देश, अधूरे कार्य जल्द पूरे करने की चेतावनी जनपद में जल जीवन मिशन के तहत संचालित ह्लहर घर नल-हर घर जलह्व योजना की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कार्यों की धीमी गति और लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए संबंधित फर्मों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पिछली समीक्षा में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की विस्तार से समीक्षा की। इसमें सामने आया कि कई स्थानों पर कार्य अपेक्षित गति से नहीं चल रहे हैं और नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी गंभीर खामियां हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने एसपीएमएल, एलसी इंफ्रा और ओमिल फर्मों





के खिलाफ शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की प्राथमिकता हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि जो कार्य अभी अधूरे हैं, उन्हें तय समयसीमा में तेजी के साथ पूरा किया जाए, ताकि आम जनता को योजना का वास्तविक लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से जल आपूर्ति की नियमितता पर जोर देते हुए कहा कि गांवों में पानी की सप्लाई सुचारू रूप से सुनिश्चित की जाए। जहां कहीं भी पाइपलाइन में लीकेज या अन्य तकनीकी समस्याएं हैं, उनका तत्काल समाधान किया जाए। इसके साथ ही सड़कों के रेस्टोरेशन कार्यों को भी गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका परिषद सीमा में शामिल गांवों की पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को लेकर भी जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि उन्हें शीघ्र हैंडओवर किया जाए, ताकि उनका संचालन व्यवस्थित ढंग से शुरू हो सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अधूरी प्रक्रियाओं को जल्द निपटाकर योजनाओं को धरातल पर पूरी तरह लागू किया जाए। बैठक में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विकास खंड में महिला पम्प ऑपरेटरों की नियुक्ति को बढ़ावा दिया जाए और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अलावा, जिन गांवों में जल जीवन मिशन के तहत शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूरे हो चुके हैं, वहां ह्लसबमर्सिबल मुक्त गांवह्व अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि लोगों को जल संरक्षण और पानी के महत्व के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है, ताकि भूजल दोहन को रोका जा सके और जल संसाधनों का संतुलन बना रहे। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे कार्यदायी संस्थाओं से गुणवत्ता पूर्ण कार्य सुनिश्चित कराएं। साथ ही गांवों में गठित जल समितियों की नियमित बैठक कराकर लोगों को पानी के सही उपयोग और संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, पंचायत भवनों, सामुदायिक शौचालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर दिए गए पानी के कनेक्शनों की जांच कराई जाए, ताकि कहीं भी अनियमितता न रहे। बैठक में अधिशासी अभियंता चंद्रहास, सहायक अभियंता शहरोज आरिफ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और संबंधित फर्मों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिलाधिकारी के सख्त निदेर्शों के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कार्यदायी संस्थाएं किस तेजी और गंभीरता के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारती हैं।

चौकी पर युवक को अवैध रूप से बैठाने का आरोप, प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

दैनिक बुलंद मंज़िल/असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद पुलिस में अनुशासनहीनता के एक गंभीर मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए पुलिस प्रशासन ने चौकी प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई थाना अमरोहा नगर क्षेत्र की गूड चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक संजीव कुमार, कांस्टेबल मोमिन अली और हेड कांस्टेबल संदीप कुमार के खिलाफ की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मु0अ0सं0 115/26 से संबंधित प्रकरण में आरोप है कि दिनांक 10 अप्रैल को नामित अभियुक्त के पुत्र को बिना किसी वैधानिक आधार के चौकी पर लाकर बैठाया गया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया। इतना ही नहीं, इस पूरी कार्रवाई की जानकारी उच्च अधिकारियों को भी नहीं दी गई, जो कि पुलिस विभाग के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन माना जा रहा है। मामले की जांच में प्रथम दृष्टया यह कृत्य



घोर लापरवाही और अनुशासनहीनता की श्रेणी में पाया गया। इसी के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस विभाग की ओर से जारी प्रेस नोट में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता और मनमानी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनपद पुलिस ने जीरो टॉलरेंसह्व की नीति अपनाते हुए कहा है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित कर्मियों के खिलाफ और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और अन्य कर्मियों को भी नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि आम जनता के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या दुर्व्यवहार को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा।

छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप, तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

दैनिक बुलंद मंज़िल

बछरायूँ। थाना क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी युवती ने पड़ोस के युवक और उसके परिजनों पर छेड़छाड़, घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि जब भी वह घर से बाहर निकलती है, मोहल्ले का मुसर्फ नामक युवक उसके साथ छेड़छाड़ करता है। आरोप है कि एक दिन आरोपी युवक घर में घुस आया और उसका हाथ पकड़कर जबरदस्ती करने की



कोशिश की तथा रात में साथ सोने के लिए दबाव बनाया। विरोध करने पर आरोपी ने अपने परिजनों को बुला लिया। तहरीर के अनुसार, मुसर्फ की मां, बहनें निदा, निशा, मलका तथा ताई सकीना और असलम ने भी घर में घुसकर पीड़िता के साथ मारपीट की। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसे गंभीर रूप से पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उसके घर के दरवाजे पर डंडे और ईंटें मारकर भय का माहौल बनाने का प्रयास किया। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना बछरायूँ पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गैस किल्लत पर फूटा गुस्सा, अधिकारियों की अनदेखी से भड़के कार्यकर्ता

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। क्षेत्र के ग्राम बेगपुर मुंडा चौराहे पर राष्ट्र सेवी संगठन द्वारा आयोजित गोष्ठी में रसोई गैस की किल्लत को लेकर कार्यकताओं का गुस्सा फूट पड़ा। बैठक में स्थानीय प्रशासन और गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि शादी-ब्याह के सीजन और दैनिक जरूरतों के बावजूद पिछले चार दिनों से हसनपुर गैस एजेंसी पर गैस उपलब्ध नहीं है, जिससे आम लोग खासे परेशान हैं। मंडल संयोजक डॉ. रुमाल सिंह ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए जब उन्होंने क्षेत्रीय पूर्ति



निरीक्षक से संपर्क करने का प्रयास किया, तो फोन तक नहीं उठाया गया। वहीं जिला पूर्ति अधिकारी से बात करने की कोशिश में भी निराशा हाथ लगी। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी न तो जनता की समस्याएं सुन रहे हैं और न ही समाधान के प्रति गंभीर हैं। राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि गैस संकट प्रशासन की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये का परिणाम है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। गोष्ठी में गैस संकट के साथ-साथ शिक्षा के व्यवसायीकरण पर भी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा महंगी किताबें बेचे जाने से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है, जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। कार्यक्रम के दौरान जलियांवाला बाग हत्याकांड की बरसी पर शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर आशाराम पाल, महेंद्र सैनी, बुद्धप्रकाश, देवेंद्र सैनी, जगराम सिंह, कुलदीप सिंह और ओम प्रकाश सैनी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसपी की चौखट पर जनता की दस्तक— शिकायतों पर तुरंत एक्शन के निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। जनपद में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं एसपी के सामने रखीं। जनसुनवाई के दौरान एसपी ने हर शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मामलों का त्वरित, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही



बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखें और पीड़ितों को अनावश्यक चक्कर न लगवाए जाएं। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि संवेदनशील मामलों में विशेष सतर्कता बरती जाए और पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने में पूरी तत्परता दिखाई जाए।

जनसुनवाई के दौरान कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जिससे फरियादियों के चेहरों पर संतोष दिखाई दिया। इस पहल से आमजन में पुलिस के प्रति भरोसा और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सूर्य घर योजना में लापरवाही पर डीएम सख्त, बैंक और बिजली विभाग को लगाई फटकार

दैनिक बुलंद मंज़िल/असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में सोमवार को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम और कैच द रेन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की प्रगति धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई और सुधार के सख्त निर्देश दिए। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की समीक्षा के दौरान डीएम ने लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति को असंतोषजनक बताते हुए बैंक और विद्युत विभाग की लापरवाही पर तीखी प्रतिक्रिया





दी। उन्होंने निर्देश दिए कि एक सप्ताह तक विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक पंजीकरण कराए जाएं और उसके अगले सप्ताह लाभार्थियों के यहां सोलर सिस्टम लगाने का कार्य तेज किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो जूनियर इंजीनियर कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं, उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही आगामी बैठक में सभी बैंकर्स को पूर्ण डाटा के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए। केनरा बैंक की कार्यप्रणाली पर भी उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। फैमिली आईडी बनाने की धीमी प्रगति पर भी जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि गांव-गांव कैंप लगाकर अधिक से अधिक परिवारों की आईडी बनाई जाए। हर घर जल योजना की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देश दिए गए कि कनेक्शन बढ़ाने के लिए संबंधित फर्म को सूची उपलब्ध कराकर एक सप्ताह में कार्य पूर्ण कराया जाए। जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित परिवारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए गए। इनमें आवास, राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, गैस कनेक्शन, दिव्यांगजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और कन्या सुमंगला योजना शामिल हैं। कैच द रेन अभियान की समीक्षा करते हुए डीएम ने जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर कार्यों की नियमित अपडेटिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिन्हित स्थलों पर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किया जाए और सभी पूर्ण कार्यों को पोर्टल पर अपलोड किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, अपर उप जिलाधिकारी मसीहा नजम, मुख्य चिकित्साधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार, हसनपुर पुलिस की कार्रवाई

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हसनपुर पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में की गई। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने



तुलसीराम पुत्र देवी सिंह निवासी किसान सहकारी चीनी मिल गजरौला-हसनपुर आवासीय कॉलोनी को गिरफ्तार किया। वह परिवाद संख्या 1669/2018 में धारा 138 एनआई एक्ट के तहत वांछित चल रहा था। पुलिस के मुताबिक यह मामला मुनीश कुमार राजपूत बनाम तुलसीराम से संबंधित है, जिसकी सुनवाई न्यायालय ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हसनपुर में चल रही है। न्यायालय द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में पुलिस ने अभियुक्त को पकड़ने में सफलता पाई। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया जा रहा है तथा आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मजलिस ने विधानसभा कमेटी का किया गठन

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने विधानसभा कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संगठन में युवाओं को जिम्मेदारी देकर जोश भर दिया है। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम युवा कार्यकताओं को संगठन में पद देकर उन्हें जिम्मेदारियां सौंप दी गई। मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव एवं हापुड़ व बिजनौर के प्रभारी हाजी शहजाद खान एडवोकेट ने कहा कि मुख्य उद्देश्य आगामी चुनौतियों को देखते हुए विधानसभा स्तर पर संगठन को मजबूती देना और ऊजार्वान कार्यकताओं को नई



जिम्मेदारियां सौंपना था। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाये। मजलिस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो गरीबों मजलूमों की आवाज उठाने का काम कर रही है। विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी ने संगठन का विस्तार करते हुए ?आदिल मलिक को विधानसभा उपाध्यक्ष, मोहम्मद शाहिद अंसारी,दिलशाद चौधरी व कदीर कुरैशी को महासचिव मनोनीत किया गया। रऊफ मालिक व अय्यूब सलमानी को संयुक्त सचिव बनाया गया। अकरम रजा को कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की असली ताकत है। इस दौरान पदाधिकारियो का फूल मालाये पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर हाफिज आसिफ, डॉ. वकार चौधरी, गुड्डू जफर, शाहवेज सलमानी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा
संभल
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

सीडीओ का अल्टीमेटम : गंदगी हटाओ, वरना कार्रवाई पाओ

दैनिक बुलंद मंज़िल/असलम सैफी जिला प्रभारी



अमरोहा। जनपद में फैलने वाले संचारी रोगों पर लगाम कसने के लिए प्रशासन ने अब सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर जिला स्तरीय अंतर विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें साफ-सफाई और जनभागीदारी को अभियान की सफलता की कुंजी बताया गया। सीडीओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन के निदेर्शों का शत-प्रतिशत पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 30 अप्रैल तक तथा दस्तक अभियान 10 से 30 अप्रैल तक संचालित रहेगा। इस दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में एडीओ पंचायत को निर्देशित करते हुए सीडीओ ने कहा कि ऐसे गांवों को चिन्हित किया जाए, जहां गंदगी और जलभराव की समस्या सबसे ज्यादा है। चिन्हित ग्रामों में से प्रत्येक अधिकारी को पांच-पांच गांवों की जिम्मेदारी सौंपी जाए और एक सप्ताह के भीतर वहां व्यापक साफ-सफाई, जलभराव निस्तारण, झाड़ियों की कटाई और अन्य आवश्यक गतिविधियां सुनिश्चित कर उन्हें पूरी तरह स्वच्छ बनाया जाए। साथ ही इन गांवों की नियमित मॉनिटरिंग भी अनिवार्य रूप से की जाए। सीडीओ ने जोर देकर कहा कि अभियान तभी सफल होगा जब आमजन की भागीदारी सुनिश्चित होगी। इसके लिए स्कूलों की प्रार्थना सभाओं में बच्चों के माध्यम से संचारी रोगों के प्रति जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए। वहीं दस्तक अभियान के तहत आंगनवाड़ी कार्यकताओं और आशा बहनों को घर-घर जाकर लोगों को साफ-सफाई और बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभाग मिलकर ऐसी गतिविधियां संचालित करें, जिससे लोगों में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता और समझ विकसित हो सके। डेंगू और अन्य वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेंद्र सिंह, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का मानना है कि यदि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और जनता सहयोग दे, तो संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

तेज रफ्तार हाइड्रा क्रेन ने ली जान, बाइक सवार की मौके पर मौत

दैनिक बुलंद मंज़िल



अमरोहा। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही हाइड्रा क्रेन ने बाइक सवार व्यक्ति की जान ले ली। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला जयओम नगर निवासी हरीश कुमार (पुत्र स्व. भगवत सरन) रविवार देर शाम अपनी मोटरसाइकिल से किसी काम से जोया जा रहे थे। रात करीब 8:40 बजे जब वह गांधी मूर्ति से पहले कब्रिस्तान के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही हाइड्रा क्रेन के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हरीश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया। मृतक के पुत्र अभिषेक प्रजापति ने कोतवाली अमरोहा नगर में तहरीर देकर आरोपी क्रेन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से मृतक के परिवार में शोक की लहर है, वहीं स्थानीय लोगों ने भी तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग उठाई है।

खेत की मेड तोड़ने को लेकर विवाद, गाली-गलौज व धमकी का आरोप; मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली ब्यूरो। थाना क्षेत्र के ग्राम फत्तेहपुर जिवाई में खेत की मेड को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम फत्तेहपुर जिवाई निवासी धर्म सिंह पुत्र मिश्री सिंह ने थाना डिडौली में दी गई तहरीर में बताया कि उसके खेत के पास ही गांव के जितेन्द्र सिंह उर्फ बबलू और हरिओम पुत्र ओमप्रकाश के खेत स्थित हैं। आरोप है कि दोनों आरोपी आए दिन उसकी खेत की मेड को नुकसान पहुंचाते रहते थे, जिससे परेशान होकर प्रार्थी ने अपनी जमीन की सुरक्षा के लिए सीमेंट के खंभे गड़वा दिए। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने ट्रैक्टर की मदद से उसके खेत में लगे तीन सीमेंट के खंभों को तोड़ दिया। घटना के संबंध में जब धर्म सिंह ने 12 अप्रैल की सुबह करीब 6 बजे आरोपियों से विरोध जताया, तो दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर मौके पर उसका कटाईदार ध्यान सिंह पुत्र गुरुमुख सिंह सहित गांव के अन्य लोग भी पहुंच गए। आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। घटना गांव की पक्की सड़क के पास की बताई जा रही है। पीड़ित ने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। थाना डिडौली पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की

दरवाजे पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

रजबपुर ब्यूरो। थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम हाफिजपुर निवासी विजय सिंह पुत्र चेतराम सिंह ने थाना रजबपुर में लिखित प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार घटना दिनांक 7 अप्रैल की शाम करीब 8:30 बजे की है, जब वह अपने खेत से घर वापस आया था। इसी दौरान गांव के ही रहने वाले परम सिंह पुत्र होमपाल, उनकी पत्नी राजवती और पुत्र विपिन हाथों में डंडे लेकर उसके दरवाजे पर पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने वहां पहुंचकर गंदी-गंदी गालियां दीं और बाहर निकलने को कहकर जान से मारने की धमकी दी। विजय सिंह ने बताया कि उक्त घटना उनके घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है, जिसे उन्होंने सबूत के तौर पर पुलिस को उपलब्ध कराया है। उन्होंने यह भी बताया कि परम सिंह के परिवार से उनकी पुरानी रंजिश चली आ रही है, जिसके चलते भविष्य में भी किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हर चौथे बच्चे को कृमि संक्रमण का खतरा : डॉ. संजय वार्ष्णेय

दैनिक बुलंद मंज़िल/अंकित गोस्वामी



मुरादाबाद। दूषित सब्जी व फलों का सेवन करने और पानी पीने से हर चौथे बच्चे में कृमि संक्रमण का खतरा है। जो बच्चे अधपका मांसाहारी भोजन भी कर रहे है, वह भी इसकी चपेट में आ रहे है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। डब्लू एच ओ हर छह महीने में डिवर्मिंग की सलाह देता है। उजाला ब्राइट स्टार हॉस्पिटल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय वार्ष्णेय ने से खास बातचीत में अहम जानकारी दी।

बच्चों को कृमि संक्रमण का खतरा किन कारणों से है

1.सब्जियां और फल अच्छी तरह न धोना।
2. दूषित पानी पीना।
3. अधपका मांसाहारी भोजन का सेवन करना।
4. स्वच्छता की कमी

कृमि संक्रमण का आम लक्षण क्या है

1. पेट दर्द रहना
2. भूख नहीं लगना
3. कमजोरी
4.मलद्वार के पास खुजली होना
5. दस्त
6. उल्टी होना

कृमि संक्रमण से बच्चों को क्या है नुकसान

1. शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा
2. स्कूल में अधिक अनुपस्थित रहना
3. वजन कम होना
4. खून की कमी

दैनिक जीवन में कैसे करें कृमि संक्रमण की रोकथाम

1. शौचालय जाने के बाद और खाने से पहले हाथ धोए।
2. ध्यान रखें कि सब्जियां अच्छी तरह धुली और खाना अच्छी तरह पका हो।
3. नंगे पैर नहीं चले
4. नियमित रूप से नाखून काटे
5. हर छह माह पर डीवर्मिंग करें

डीवर्मिंग क्या है और क्या है लाभ

1. दवा से कृमियों को नष्ट करना डीवर्मिंग कहलाता है।
2.सही विकास और वजन बढ़ना
3. पोषण में सुधार
4. बेहतर शारीरिक और मानसिक विकास
5. संक्रमण के प्रति अधिक प्रतिरोधक क्षमता।

दिल्ली जाने के लिए बदायूं के लोगों को अब नहीं बदलनी पड़ेगी ट्रेन

बदायूं क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात मिली, अब दिल्ली का सफर और आसान हुआ

दैनिक बुलंद मंज़िल /अजयपाल यादव



वाइट केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा



बदायूं । बदायूं जिले के लोगों को सालों पुराना इंतजार अब खत्म हो गया है, केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने सोमवार को बदायूं से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब बरेली- नई दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस कासगंज से चलकर बदायूं और बरेली होते हुए सीधे नई दिल्ली तक जाएगी। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने बदायूं से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब बदायूं कासगंज और बरेली के यात्रियों को मिलेगा सीधा कनेक्शन, समय की बचत और सफर होगा आसान। इस ट्रेन के शुरू होने से बदायूं, कासगंज और आसपास के इलाकों के लोगों को बड़ी राहत मिली है, अब दिल्ली जाने के लिए यात्रियों को बरेली या मुरादाबाद जाकर ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी, इससे समय भी बचेगा और सफर भी आसान हो जाएगा, खासकर छात्रों, व्यापारियों और नौकरी करने वाले लोगों को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। लंबे समय से चल रहा था प्रयास, इस ट्रेन को शुरू कराने के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा काफी लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, उन्होंने 20 नवंबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर बदायूं से दिल्ली और लखनऊ के लिए सीधी ट्रेन चलाने की मांग की थी, इसके बाद 25 मार्च को रेल मंत्रालय ने इस ट्रेन को मंजूरी दे दी।

दिल्ली अब और करीबः बदायूं से सीधी ट्रेन सेवा शुरू, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने दिखाई हरी झंडी

दैनिक बुलंद मंज़िल

बदायूं। सोमवार को जिले को बड़ी रेल सौगात मिली, जब केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने बदायूं से नई दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया। बदायूं रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में उद्घाटन विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाते ही यात्रियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। स्टेशन परिसर लोगों से खचाखच भरा रहा और इस ऐतिहासिक पल को देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नई ट्रेन सेवा से बदायूं, कासगंज और एटा के यात्रियों को राजधानी तक सीधा और सुविधाजनक सफर मिलेगा। अब तक इन जिलों के लोगों को दिल्ली जाने के लिए कई बार ट्रेन बदलनी पड़ती थी, लेकिन इस सेवा के शुरू होने से यात्रा आसान हो जाएगी। इसके साथ ही मुरादाबाद के रास्ते उत्तराखंड जाने वाले यात्रियों को भी बेहतर कनेक्टिविटी का फायदा मिलेगा। किसानों और कारोबारियों के लिए भी खुलेंगे नए रास्तेइस रेल सेवा से क्षेत्र के कृषि और वन उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने में सहूलियत मिलेगी। इससे किसानों और स्थानीय व्यापारियों को आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि यह सेवा क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने यह भी बताया कि बदायूं को गंगा एक्सप्रेसवे, रिंग रोड और फोरलेन हाईवे जैसी परियोजनाओं की सौगात भी मिल चुकी है। इंटरसिटी का विस्तार, 14 कोच के साथ चली विशेष ट्रेन रेल मंत्रालय ने 14315/14316 बरेली-नई दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस के मार्ग को कासगंज तक विस्तार देने की मंजूरी दी है। इसी क्रम में 05303 बदायूं-नई दिल्ली उद्घाटन विशेष ट्रेन सोमवार दोपहर 12 बजे बदायूं से रवाना हुई, जो रात 8 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 14 कोच लगाए गए हैं, जिनमें सामान्य, आरक्षित कुर्सीयान और वातानुकूलित डिब्बे शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने संकेत दिए कि जल्द ही बदायूं से लखनऊ के लिए भी सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने की योजना है। इससे छात्रों, व्यापारियों और आम यात्रियों को और अधिक सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। स्टेशन पर जश्न जैसा माहौल, फूल बरसाकर किया स्वागत उद्घाटन के मौके पर स्टेशन परिसर में उत्सव जैसा माहौल नजर आया। किसानों ने ट्रेन पर फूल बरसाकर खुशी जाहिर की, वहीं महिलाएं और बच्चे सेल्फी लेकर इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाते दिखे। कार्यक्रम में सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, विधान परिषद सदस्य वागीश पाठक समेत कई जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी मौजूद रहे। वहीं 05303 बदायूं-नई दिल्ली उद्घाटन विशेष ट्रेन दोपहर 12:00 बजे बदायूं से रवाना होकर बरेली जंक्शन, भिटौरा, नगरिया सादात, रामपुर जंक्शन, मुरादाबाद, अमरोहा, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, हापुड़ जंक्शन, पिलखुआ, गाजियाबाद, साहिबाबाद, आनंद विहार, तिलक ब्रिज और शिवाजी ब्रिज होते हुए रात 20:00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

पूर्व माफिया विधायक के पार्टनर गुड्डू, सपा नेता अकील, जिला बदर सुमित सक्सेना समेत समेत 25 बने हिस्ट्रीशीटर, थाने पर लगेगी हाजिरी

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। समाजवादी पार्टी के पूर्व माफिया विधायक अशरफ के पार्टनर फरहद खां उर्फ गुड्डू, पूर्व सपा पार्षद अकील उर्फ गुडडू, जिला बदर प्रापर्टी माफिया सुमित सक्सेना समेत 25 अपराधियों को एसएसपी अनुराग आर्य ने हिस्ट्रीशीटर बना दिया है। सभी की हिस्ट्रीशीट खोलने के बाद उनका एक स्पेशल कोड जारी किया गया है। सभी हिस्ट्रीशीटरों का उनके संबंधित थाने में हाजिरी रजिस्टर तैयार किया गया है। अब हर महीने उन्हें थाने जाकर अपनी हाजिरी देनी होगी। इज्जतनगर के परतापुर जीवन सहाय निवासी मोहम्मद फरहद खां उर्फ गुड्डू उस वक्त सुर्खियों में था, जब बरेली के केंद्रीय कारागार-2 में बंद प्रयागराज के दिवंगत माफिया अतीक और अशरफ से उसने अवैध मुलाकातें की थीं। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी समेत कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब उसके पुराने नेटवर्क और संपर्कों की भी पड़ताल कर रही है। उसकी पार्टनरशिप फर्मों और मोबाइल सीडीआर, रजिस्ट्री कार्यालय से उसके काले कारनामों की सूची तैयार की जा रही है।पूर्व पार्षद समेत कई शातिर अपराधी रडार पर इज्जतनगर के रहपुरा चौधरी का रहने वाला पूर्व पार्षद अकील उर्फ गुड्डू सपा का नेता है। उसके खिलाफ जानलेवा हमला और बलवा समेत 11 मुकदमे दर्ज हैं। इज्जतनगर के वीर सावरकर नगर निवासी सुमित सक्सेना के खिलाफ इज्जतनगर, प्रेमनगर, कोतवाली, बारादरी में 11 आपराधिक एफआईआर दर्ज हैं। दो महीने पहले डीएम अविनाश सिंह ने सुमित सक्सेना को जिला बदर भी किया था। इसके अलावा कैंट थाने में दानिश उर्फ आफताब और चनेहटी निवासी जावेद को भी निगरानी सूची में शामिल किया गया है। वहीं सुभाषनगर थाने में रोहित उर्फ कल्लू, रवि राणा, गुड्डू उर्फ मसरूर, गौरव, संगम गुप्ता, आकाश गुर्जर, विक्की, उस्मान उर्फ पाशा, अजय उर्फ गुल्ला, इज्जतनगर थाने में शिवम उर्फ गोलू, विकास कश्यप उर्फ भल्ला, सचिन कुमार, राहुल मौर्य और सलमान व आंवला में राशिद सैफी, फारुख कुरैशी, इस्लाम अली, रईस उर्फ सोना, मुशर्रफ खां और नबावगंज थाने में बबलू उर्फ बौरा की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। इन सभी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट, गोकशी और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज रहे हैं। हिस्ट्रीशीटरों पर रहेंगी पुलिस की खुफिया निगाहें एसएसपी अनुराग आर्य ने हिस्ट्रीशीटरों का एक स्पेशल कोड जारी किया है। सभी की हिस्ट्रीशीट बी कैटेगरी में खोली गई है। ऐसे आरोपियों को अभ्यस्त अपराधी माना जाता है, जो कि समाज के लोगों को डरा धमकाकर गलत तरीके से काली कमाई करते हैं। एसएसपी ने बताया कि अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए यह कार्रवाई की गई है। हिस्ट्रीशीट खुलने के बाद अब इन सभी की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी। पुलिस की टीमें इनके मूवमेंट, संपर्क और आर्थिक गतिविधियों की भी निगरानी करेंगी। ऐसे अपरधियों के पार्टनर और इन्हें सरंक्षण देने वालों पर भी कानूनी शिकंजा कसा जायेगा। इनके नेटवर्क में शामिल सभी लोगों की क्राइम कुंडली तैयार की जा रही है। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि अपराधी की एक बार हिस्ट्रीशीट खुलने के बाद वह बंद नहीं होती है। व्यक्ति के जीवित रहने तक हिस्ट्रीशीट खुली रहती है। उसे थाने में जाकर हाजिरी देनी होती है।

यूपी के इस जिले में धधकी आग, 200 बीघा गेहूं खाक, किसानों की सालभर की मेहनत राख

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। बहेड़ी थाना क्षेत्र के सिगौती गांव में सोमवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अचानक गेहूं के खेतों में लगी भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की तेज लपटों ने करीब 200 बीघा तैयार खड़ी गेहूं की फसल को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे किसानों की सालभर की मेहनत कुछ ही घंटों में राख में बदल गई। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया और किसान बदहवास होकर आग बुझाने में जुट गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक तेज हवा के चलते आग तेजी से एक खेत से दूसरे खेत में फैलती चली गई। कुछ ही मिनटों में आग ने कई किसानों के खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। हालात इतने भयावह हो गए कि ग्रामीणों के पास आग पर काबू पाने का कोई साधन नहीं बचा और चारों ओर चीख-पुकार मच गई।बरेली और किच्छा से बुलाई गईं दमकल की गाड़ियां सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत फायर ब्रिगेड को अलर्ट किया गया। आग की भयावहता को देखते हुए बहेड़ी के अलावा बरेली और किच्छा से भी दमकल की अतिरिक्त गाड़ियां मौके पर बुलाई गईं। कई घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था। इंस्पेक्टर दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें तत्काल मौके पर पहुंच गई थीं। आग बुझाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कई दमकल यूनिट्स और पुलिसकर्मी मिलकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे रहे। कटाई से पहले ही उजड़ गई फसल इस अग्निकांड ने किसानों की कमर तोड़ दी है। जो फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थी, वह जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। किसानों के सामने अब आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग उठाई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आग कैसे लगी। वहीं, राजस्व विभाग की टीम को नुकसान का आंकलन करने के निर्देश दिए गए हैं।

छात्र जैद ने ब्रॉड जंप में जीता सिल्वर मेडल, क्षेत्र का नाम किया रोशन

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान



अफजलगढ़। ग्राम कासमपुर गढ़ी गांव के होनहार छात्र एसएम जैद ने ब्रॉड जंप प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर अपने क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया है। उसकी इस उपलब्धि से गांव और स्कूल में खुशी और उत्साह का माहौल है। यह प्रतियोगिता रविवार को कादराबाद स्थित एक निजी स्कूल के मैदान में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता का आयोजन एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन बिजनौर द्वारा किया गया, जिसमें जूनियर एवं यूथ वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया। लाम्बा कॉन्वेंट स्कूल के कक्षा 7 के छात्र एसएम जैद, जो पत्रकार एसएम असलम के पुत्र हैं, ने ब्रॉड जंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया और सिल्वर मेडल अपने नाम किया। जैद इससे पहले भी अंतर-प्रादेशिक ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर कई पदक जीत चुके हैं। उनकी लगातार उपलब्धियां उनके खेल कौशल और मेहनत को दशार्ती हैं। जैद की इस सफलता पर अफजलगढ़ में युवा नेता एवं समाजसेवी शेख मोहम्मद जैद (चेयरमैन, अब्दुल रज्जाक फाउंडेशन) ने अपने निवास पर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें शॉल ओढ़ाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सम्मान समारोह में शेख मोहम्मद यूसुफ, शेख मोहम्मद जैद ,अमानत हुसैन, गुलफाम अंसारी और कामिल खान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने बाल खिलाड़ी की उपलब्धि की सराहना की। जैद की इस उपलब्धि को क्षेत्र के अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है। लोगों ने उम्मीद जताई कि वह भविष्य में और भी बड़े स्तर पर सफलता हासिल करेंगे। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि छोटे गांवों से भी प्रतिभाएं निकलकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकती हैं।

सरेआम टप्पेवाजो का हौसला भगवान के नाम का प्रलोभन देकर बुजुर्ग महिला के ठगे जेवर

बुलंद मंज़िल गुन्नौर



बबराला । नगर में सक्रिय टप्पेबाजों ने एक बार फिर अपनी मौजूदगी का एहसास कराते हुए दिनदहाड़े एक वृद्धा को निशाना बना लिया। ठगों ने धार्मिक आस्था का सहारा लेकर 'भगवान के साक्षात दर्शन' कराने का झांसा दिया और बड़ी चालाकी से वृद्धा के कीमती जेवर ठगकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेडिकल एसोसिएशन के सचिव अनिल गुप्ता और रोटरी क्लब बबराला गंगा के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता की मां मुन्नी देवी सोमवार सुबह करीब 11:15 बजे इंदिरा चौक स्थित अपने पुराने घर से चंदौसी रोड पर छोटे बेटे के घर जा रही थीं। वृद्धावस्था के कारण वह छड़ी के सहारे धीरे-धीरे पैदल चल रही थीं। इसी दौरान स्टेट बैंक के पास एक युवक उनसे मिला और बातचीत में उलझाकर खुद को परिचित बताने लगा। उसने सहानुभूति जताते हुए उन्हें घर तक छोड़ने की बात कही। भरोसा जीतने के बाद वह कुछ दूरी तक उनके साथ चलता रहा और फिर बातों ही बातों में उन्हें अपने झांसे में ले लिया। ठग ने बड़ी सफाई से मुन्नी देवी को विश्वास दिलाया कि उनके पास एक खास तरीका है जिससे भगवान के साक्षात दर्शन हो सकते हैं। इस दौरान उसने उन्हें गले की सोने की चेन और कानों के कुण्डल उतारकर पर्स में रखने के लिए कहा, ताकि 'पूजा प्रक्रिया' पूरी हो सके। वृद्धा उसकी बातों में आ गईं और अपने जेवर उतारकर पर्स में रख लिए। कुछ ही देर बाद ठग ने अपने एक साथी को इशारा किया और पर्स उसे थमा दिया। इसके बाद उसने वृद्धा से कहा कि दोनों हाथों की मुट्ठी बंद कर ग्यारह कदम आगे बढ़ें, तभी भगवान के दर्शन होंगे। जैसे ही वृद्धा उसके बताए अनुसार आगे बढ़ीं, तभी एक बाइक सवार मौके पर पहुंचा और दोनों ठग उसके साथ बैठकर चंदौसी रोड की ओर फरार हो गए। जब तक वृद्धा को ठगी का एहसास हुआ, तब तक आरोपी काफी दूर निकल चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष सौरभ त्यागी ने बताया कि अज्ञात ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति की बातों में न आएं और अपने कीमती सामान को सुरक्षित रखें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

अब्दुल्लापुर लेदा में बड़ी धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सब का कार्यक्रम जिसमें फर्स्ट सेकंड थर्ड आने वाले बच्चों को पुरस्कार से किया गया सम्मानित

दैनिक बुलंद मंजिल हरीश कुमार

ठाकुरद्वारा। ग्राम अब्दुल्लापुर लेदा में बड़ी धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सब का कार्यक्रम जिसमें फर्स्ट सेकंड थर्ड आने वाले बच्चों को पुरस्कार से किया गया सम्मानित बच्चो को दिए गए पुरस्कार उ० प्रा० वि० अब्दुल्लापुर लेदा में मनाया गया वार्षिकोत्सव विद्यालय में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया गया कार्यक्रम के दौरान कक्षा-6, कक्षा,7 कक्षा-8 में प्रथम, द्वितीय ,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को पुरुस्कार प्रदान किया गया इसके साथ ही प्रा एन एम एम एस एवं श्रेष्ठा परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा महक और हेमलता को भी सम्मानित किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान पति वाजिद चौधरी, श्री रवीन्द्र चौहान , मोनिका गहलौत ,रिचा रिद्वारिया, मीना कुमारी कृष्ण कुमार, डिम्पल शमी, संजय भारती के साथ समस्त स्टॉफ एवं अभिभावक मौजूद रहे ।

सूचना पर ट्रक मालिक की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल
हरीश कुमार

ठाकुरद्वारा। थाना कांठ क्षेत्र के गांव सिंकदराबाद निवासी सलीम पुत्र तस्लीम निवासी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि घटना के बाद वाहन स्वामी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि ट्रक स्वामी है । उनके ट्रक पर इसरार अली पुत्र अबरार अली निवासी ग्राम हमीरपुर जिला रामपुर चालक के रूप में कार्यरत है बताया गया कि दिनांक 21 मार्च 2026 को चालक इसरार अली ट्रक को कांठ से माल भरने के लिए हरियावाला ट्रांसपोर्ट ले गया था जहां 22 मार्च को माल लोड़ होना था । इसी दौरान चालक अपनी ससुराल ग्राम शरीफननगर थाना ठाकुरद्वारा पहुंच गया और रात में वही रुक गया । उसने ट्रक को नेशनल स्कूल शरीफननगर के सामने खड़ा कर दिया । अगली सुबह करीब 6 बजे जब चालक ट्रक के पास पहुंचा तो ट्रक वहां नही मिला । ट्रक के गायब होने पर चालक ने आसपास काफी तलाश की , लेकिन वाहन का कोई सुराग नही लगा । इसके बाद उसने घटना की जानकारी वाहन स्वामी को दी । पीडित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ ट्रक चोरी की शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से जल्द कार्रवाई और वाहन वरामदगी की मांग की है । पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है ।

संभल प्रशासन की तत्परता से टला बड़ा हादसा, कूड़े के ढेर में लगी आग पर समय रहते पाया काबू

दैनिक बुलंद मंज़िल





रजपुरा/संभल। जनपद में प्रशासन की मुस्तैदी और त्वरित प्रतिक्रिया का एक सकारात्मक उदाहरण रविवार को सामने आया, जब रजपुरा-बहजोई मार्ग स्थित महावा नदी पुल के पास कूड़े के बड़े ढेर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग तेजी से फैलने लगी, जिससे आसपास के खेतों में खड़ी पकी गेहूं की फसल के नुकसान की आशंका पैदा हो गई। घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई तो थाना पुलिस और डायल 112 को अवगत कराया गया। सूचना मिलते ही संबंधित विभागों ने त्वरित संज्ञान लेते हुए मौके पर राहत कार्य शुरू कराया। डायल 112 की टीम, फायर ब्रिगेड की गाड़ी और रजपुरा पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। रजपुरा थाने के दरोगा देवेंद्र उपाध्याय और कांस्टेबल राहुल यादव ने मौके पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए फायर ब्रिगेड के साथ मिलकर आग पर काबू पाया। टीम के समन्वित प्रयासों से स्थिति को जल्द नियंत्रित कर लिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार रजपुरा कस्बा और पेंठ बाजार से निकलने वाला कूड़ा महावा नदी पुल के पास एक प्लॉट में एकत्र किया जाता है, जहां समय-समय पर इस तरह की स्थिति बनने की संभावना बनी रहती है। इस संबंध में पूर्व में भी ध्यान आकर्षित कराया गया था। हालांकि, इस बार प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से किसी बड़े नुकसान की स्थिति नहीं बनने दी गई। समय रहते आग पर काबू पा लेने से आसपास के किसानों की सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन की सक्रियता और त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना की। प्रशासन की इस प्रभावी कार्रवाई से यह स्पष्ट हुआ कि आपात स्थिति में समय पर समन्वय और तत्परता से बड़े नुकसान को रोका जा सकता है।

अज्ञात कारण से लगी लख्खी बाग में आग, मची अफरा तफरी



दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद रामपुर। नगर के बिलारी रोड स्थित लख्खी बाग के कूड़े में आग लगने से बांस में फैल गई आसपास के लोगों ने किसी तरह अग्निशमन फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी मौके पर अग्निशमन की टीम ने आग को बुझाने का कार्य किया। जिस दौरान टीम द्वारा पानी से लगी भयंकर आग को काबू में किया उधर नगर पंचायत की जेसीबी से सूखे हुए बस को एकत्र किया गया।

एडिशनल एसपी ने किया शाहबाद कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण



दैनिक बुलंद मंज़िल/विकास मुल्तानी उर्फ.देवेंद्र

शाहबाद रामपुर। सोमवार को एडिशनल एसपी अनुराग सिंह द्वारा थाना शाहबाद का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय अभिलेखों, मिशन शक्ति केन्द्र, एवं परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया गया । बताते चलें कि एडिशनल एसपी अनुराग सिंह द्वारा अभिलेखों के समुचित संधारण, अभिलेखों में अंकित की जाने वाली प्रविष्टियों को अद्यतन रखने के संबंध में संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । जिस दौरान प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार एवं क्राइम इंस्पेक्टर , हेड मोरल दिलशाद हुसैन आदि मौजूद रहे।

कोरांव बाजार में दिनदहाड़े मोबाइल चोरी, सीसीटीवी में कैद वारदात–चोर की तलाश में पुलिस

कोराँव प्रयागराज। कोरांव बाजार में दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना ने व्यापारियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। शनिवार दोपहर एक पीवीसी पैनल की दुकान से अज्ञात चोर दुकानदार का मोबाइल फोन चुरा ले गया। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना मांडा रोड स्थित अली क्लीनिक के पास रोशनी गेस्ट हाउस वाली गली में स्थित दुकानदार मोहम्मद चांद की दुकान पर हुई। बताया गया कि जैसे ही दुकानदार किसी काम से दुकान से बाहर गए, उसी दौरान एक शातिर युवक खाली दुकान में घुस आया और काउंटर पर रखा मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया।

समाजसेवी रोहित खुराना ने रखा राजनीति में कदम,समर्थकों में उत्साह

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी।



नगीना। नगर के जाने माने समाजसेवी रोहित खुराना ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने का निर्णय लिया है। उनके इस फैसले से समर्थकों और चाहने वालों में उत्साह का माहौल है,वहीं क्षेत्र में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है।रोहित खुराना लंबे समय से समाज सेवा के कार्यों के साथ-साथ हिंदूवादी संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।उन्होंने विभिन्न सामाजिक अभियानों में भाग लेकर समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता दी है।संगठन स्तर पर भी वह जिला और प्रदेश स्तर की जिम्मेदारियां निभा चुके हैं।उनके राजनीति में आने की खबर से विशेष रूप से युवाओं में उत्साह देखा जा रहा है।बड़ी संख्या में युवा उनके इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं और उनसे क्षेत्र के विकास व समाजहित में और अधिक सक्रिय भूमिका की उम्मीद जता रहे हैं।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि रोहित खुराना किस राजनीतिक दल के साथ अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत करेंगे। हालांकि,उनके अगले कदम पर क्षेत्रवासियों की नजरें टिकी हुई हैं।

अंबेडकर जयंती से पहले नगीना में सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त,सीओ ने शोभायात्रा मार्ग का किया निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।



नगीना। डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती के मद्देनजर नगीना में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क नजर आया। सोमवार शाम क्षेत्राधिकारी नगीना राजेश सिंह ने नगर में प्रस्तावित शोभायात्रा मार्ग का भ्रमण कर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था,यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया।साथ ही संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।इस दौरान थानाध्यक्ष अवनीत मान सहित समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।पुलिस टीम ने पैदल गश्त करते हुए नगीना थाने से विभिन्न बाजारों और चौराहों से गुजरते हुए डबल फाटक स्थित चित्तौड़गढ़ चौकी तक क्षेत्र का निरीक्षण किया।पुलिस प्रशासन ने आमजन से भी सहयोग की अपील करते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने की बात कही है।

दिल की हर धड़कन पर अब एआई का पहरा, प्रयागराज में इलाज का सबसे बड़ा हाईटेक धमाका

बीस करोड़ की मेगा कैथ लैब से बदलेगी तस्वीर, अब एक ही जगह मिलेगा सटीक और सुरक्षित इलाज

दैनिक बुलंद मंजिल



प्रयागराज। कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल में अब हृदय रोगियों के लिए नई राहत की शुरूआत होने जा रही है। जून माह से यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस अत्याधुनिक कैथ लैब की सुविधा मिलने लगेगी। करीब बीस करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह हाईटेक कैथ लैब उच्च गुणवत्ता वाली त्रिआयामी इमेजिंग तकनीक से दिल की नसों में मौजूद ब्लॉकेज की सटीक पहचान करेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित यह प्रणाली मैन्युअल त्रुटियों को कम करते हुए विकिरण के खतरे को भी घटाएगी, जिससे मरीजों को अधिक सुरक्षित उपचार मिल सकेगा। यह देश की तीसरी और उत्तर प्रदेश की पहली ऐसी कैथ लैब होगी, जो स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीकी बदलाव की नई दिशा तय करेगी। अस्पताल परिसर में कैथ लैब के लिए अलग रिकवरी कक्ष तैयार किया जा रहा है, जहां अल्ट्रासाउंड, एमआरआई, सीटी स्कैन और एक्स-रे जैसी सभी जांचें एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। इससे मरीजों को बार-बार अलग-अलग जगह जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रिकवरी कक्ष का कार्य जारी है, जबकि कैथ लैब पूरी तरह तैयार हो चुकी है।-- एआई कैथ लैब की खासियत-- यह कैथ लैब उन्नत गैन्ट्री प्रणाली की सहज गति से ऑपरेशन में लचीलापन देगी। परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन सहायता जैसी आधुनिक तकनीक से इमेज गुणवत्ता बेहतर होगी, जिससे स्टेंट लगाने में अधिक सटीकता आएगी। स्मार्ट सॉफ्टवेयर प्रक्रिया के दौरान असमानताओं का पता लगाकर मरीजों को सुरक्षित और प्रभावी उपचार सुनिश्चित करेगा।

ऑपरेशन सख्ती: शंकरगढ़ की सड़कों पर कानून का लाइव एक्शन

एसीपी–थानाध्यक्ष का फ्लैग मार्च–अपराधियों के लिए नो एंट्री का ऐलान



दैनिक बुलंद मंजिल

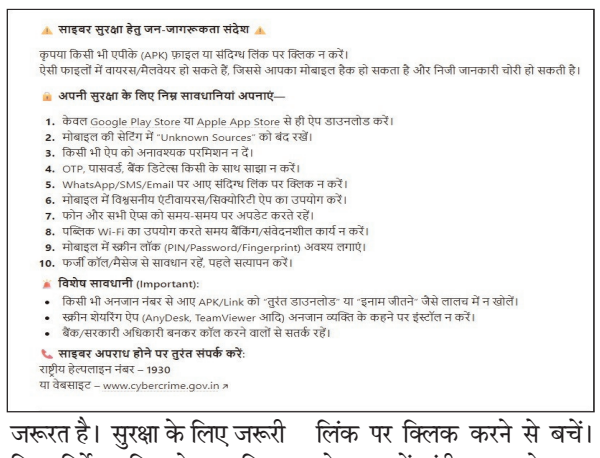
शंकरगढ़,प्रयागराज। यमुनानगर के बारा तहसील अंतर्गत शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में अब कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस ने फुल एक्शन मोड अपना लिया है। एसीपी बारा वेद व्यास मिश्रा और थानाध्यक्ष सुशील कुमार दुबे के नेतृत्व में निकला पैदल मार्च पूरे इलाके में सख्ती का स्पष्ट संदेश बनकर उभरा–अब यहां कानून से खिलवाड़ करने वालों की खैर नहीं। शिवराजपुर चौराहा से लेकर आसपास के संवेदनशील इलाकों तक पुलिस टीम ने चप्पे-चप्पे पर नजर रखते हुए गश्त की। सड़कों पर उतरे अधिकारियों ने खुद हालात का जायजा लिया, स्थानीय लोगों से सीधा संवाद किया और सुरक्षा व्यवस्था की असली तस्वीर को समझा। थानाध्यक्ष सुशील कुमार दुबे ने साफ शब्दों में चेतावनी दी– अपराध करने वालों के लिए अब कोई जगह नहीं बची है। संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई होगी, चाहे कोई भी हो। पैदल मार्च के दौरान पुलिस की कड़ी मौजूदगी से इलाके में सुरक्षा का माहौल मजबूत हुआ है। आमजन के चेहरे पर भरोसा दिखा, जबकि असामाजिक तत्वों में बेचैनी साफ नजर आई। यह सिर्फ गश्त नहीं, बल्कि ग्राउंड जीरो पर कानून का शक्ति प्रदर्शन था, जिसने यह साफ कर दिया कि अब शंकरगढ़ में हर गतिविधि पुलिस की नजर में है। संदेश बिल्कुल स्पष्ट–शंकरगढ़ में अब कानून नहीं, कानून का असर दिखेगाङ्क और वो भी पूरी ताकत के साथ।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

सावधान एक क्लिक में उड़ सकता है पैसा : साइबर ठगी पर पुलिस का बड़ा अलर्ट

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने आमजन के लिए विस्तृत जन-जागरूकता संदेश जारी किया है। इस संदेश में लोगों को आगाह किया गया है कि किसी भी संदिग्ध एपीके (अढड) फाइल या अनजान लिंक पर क्लिक करना भारी पड़ सकता है। ऐसे लिंक के माध्यम से साइबर अपराधी मोबाइल को हैक कर निजी जानकारी, बैंक डिटेल्स और पासवर्ड तक चुरा सकते हैं। पुलिस के अनुसार, वर्तमान समय में साइबर ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इनमें फर्जी इनाम का लालच देना, बैंक अधिकारी बनकर कॉल करना, व्हाट्सएप या रटर के जरिए लिंक भेजना और स्क्रीन शेयरिंग ऐप के माध्यम से मोबाइल का एक्सेस लेना प्रमुख तरीके हैं। ऐसे में लोगों को बेहद सतर्क रहने की


⚠ साइबर सुरक्षा हेतु जन-जागरूकता संदेश ⚠

कृपया किसी भी एपीके (APK) फ़ाइल या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।
ऐसी फाइलों में वायरस/मैलवेयर हो सकते हैं, जिससे आपका मोबाइल हैक हो सकता है और निजी जानकारी चोरी हो सकती है।

🔒 अपनी सुरक्षा के लिए निम्न सावधानियां अपनाएं—

1. केवल Google Play Store या Apple App Store से ही ऐप डाउनलोड करें।
2. मोबाइल की सेटिंग में "Unknown Sources" को बंद रखें।
3. किसी भी ऐप को अनावश्यक परमिशन न दें।
4. OTP, पासवर्ड, बैंक डिटेल्स किसी के साथ साझा न करें।
5. WhatsApp/SMS/Email पर आए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।
6. मोबाइल में विश्वसनीय एंटीवायरस/सिक्योरिटी ऐप का उपयोग करें।
7. फोन और सभी ऐप्स को समय-समय पर अपडेट करते रहें।
8. पब्लिक Wi-Fi का उपयोग करते समय बैंकिंग/संवेदनशील कार्य न करें।
9. मोबाइल में स्क्रीन लॉक (PIN/Password/Fingerprint) अवश्य लगाएं।
10. फर्जी कॉल/मैसेज से सावधान रहें, पहले सत्यापन करें।

🚨 विशेष सावधानी (Important):
- किसी भी अनजान नंबर से आए APK/Link को "तुरंत डाउनलोड" या "इनाम जीतने" जैसे लालच में न खोलें।
- स्क्रीन शेयरिंग ऐप (AnyDesk, TeamViewer आदि) अनजान व्यक्ति के कहने पर इंस्टॉल न करें।
- बैंक/सरकारी अधिकारी बनकर कॉल करने वालों से सतर्क रहें।

📞 साइबर अपराध होने पर तुरंत संपर्क करें:
राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर – 1930
या वेबसाइट – www.cybercrime.gov.in ↗

जरूरत है। सुरक्षा के लिए जरूरी दिशा-निर्देश पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मोबाइल में केवल विश्वसनीय प्लेटफॉर्म जैसे गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से ही ऐप डाउनलोड करें। अननोन सोर्सेज विकल्प को हमेशा बंद रखें और किसी भी ऐप को अनावश्यक परमिशन न दें। इसके अलावा डळढ, पासवर्ड और बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। व्हाट्सएप, ईमेल या रटर के जरिए आए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। मोबाइल में एंटीवायरस ऐप का उपयोग करें और समय-समय पर फोन व ऐप्स को अपडेट करते रहें। पुलिस ने यह भी सलाह दी है कि पब्लिक वाई-फाई का उपयोग करते समय बैंकिंग या अन्य संवेदनशील कार्य न करें और अपने मोबाइल में मजबूत स्क्रीन लॉक अवश्य लगाएं। इनसे रहें खास सतर्क अनजान नंबर से आए अढड या लिंक को डाउनलोड करने से बचें और इनाम जीतने जैसे लालच में न आएं। अल्ल८ऊ२' और ळींशीद्धी१ जैसे स्क्रीन शेयरिंग ऐप किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर इंस्टॉल न करें। यदि कोई व्यक्ति खुद को बैंक या सरकारी अधिकारी बताकर कॉल करता है, तो पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें। ठगी होने पर तुरंत करें कार्रवाई पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के साथ साइबर ठगी की घटना होती है, तो तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या आधिकारिक वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर नुकसान को रोका जा सके। पुलिस प्रशासन ने कहा है कि जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है। इसलिए खुद सतर्क रहें और दूसरों को भी जागरूक करें, ताकि साइबर ठगों के मंसूबों को नाकाम किया जा सके।

मिशन शक्ति की गूंज गांव तक: नाईपरा में महिलाओं को सुरक्षा, अधिकार और जागरूकता का मिला मजबूत संदेश

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/हीमपुर दीपा। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत सोमवार को थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के ग्राम नाईपरा में एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लेकर अपने अधिकारों और सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं। कार्यक्रम का संचालन महिला हेड कांस्टेबल संगीता चौधरी, महिला कांस्टेबल रेनू राठी व अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा किया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान की जानकारी देते हुए उन्हें आत्मरक्षा, कानूनी अधिकारों और सामाजिक



कुरीतियों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान बाल विवाह जैसी गंभीर सामाजिक समस्या पर विशेष जोर देते हुए महिलाओं को इसके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया और इसे रोकने के लिए आगे आने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई, जिनमें महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में ये नंबर उनके लिए सुरक्षा कवच का कार्य करते हैं। पुलिस टीम ने महिलाओं को घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने, अपने अधिकारों को समझने और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। साथ ही मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों जैसे अश्लील संदेश भेजना, ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर ठगी से बचाव के उपायों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा महिलाओं और बालिकाओं को छेड़छाड़, मारपीट जैसी घटनाओं से बचाव के तरीके बताए गए और साइबर अपराध होने पर की जाने वाली कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंत में पुलिस टीम ने उपस्थित महिलाओं की समस्याएं भी सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। थाना हीमपुर दीपा, जनपद बिजनौर द्वारा चलाया गया यह जागरूकता अभियान ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल साबित हो रहा है।

चांदपुर पुलिस का सख्त एक्शनः अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। जनपद में अपराध नियंत्रण और अवैध शस्त्रों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चांदपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध हथियार रखने वालों में हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार 13 अप्रैल 2026 को थाना चांदपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी लेने पर सहबाज पुत्र सलीम निवासी ग्राम सब्दलपुर रेहरा, थाना हीमपुर दीपा, जनपद बिजनौर के पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया



और उसके खिलाफ थाना चांदपुर में मुकदमा संख्या 199/26 धारा 4/25 आयुध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस टीम की मुस्तैदी से मिली सफलता इस सफल कार्रवाई में उपनिरीक्षक सागर चौधरी, हेड कांस्टेबल श्यामवीर सिंह और कांस्टेबल अनिल दयाल की अहम भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने टीम की सतर्कता और तत्परता की सराहना की है। अभियान रहेगा जारी पुलिस का कहना है कि जनपद में अपराध और अवैध शस्त्रों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

स्मार्ट प्रीपेड मीटरों से बढ़ी समस्याएं, चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

नजीबाबाद। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे नगर पंचायत साहनपुर के चेयरमैन एवं आजाद समाज पार्टी के मुरादाबाद मंडल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी ने नजीबाबाद के उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन क्षेत्र में लगाए जा रहे विद्युत स्मार्ट प्रीपेड मीटरों से उत्पन्न हो रहीजनसमस्याओं के संबंध में दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि नजीबाबाद क्षेत्र की आम जनता को स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को लेकर लगातार गंभीर शिकायतें मिल रही हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली के बिलों की राशि में बढ़ोतरी हो गई है। वहीं, पोस्टपेड मीटरों की तुलना में प्रीपेड मीटरों की रीडिंग अधिक दर्ज हो रही है, जिससे



उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने यह भी आरोप लगाया कि बिल जमा न करने पर बिजली विभाग बिना पूर्व सूचना के उपभोक्ताओं की लाइन काट देता है, जबकि मीटर चालू रहता है और उसकी रीडिंग लगातार बढ़ती रहती है। इसके अलावा, बिल जमा करने के बाद भी विभाग की ओर से अतिरिक्त राशि जमा करने का दबाव बनाया जाता है, जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि प्रीपेड स्मार्ट मीटरों की तकनीकी जांच कराई जाए और उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

99 बीघा और डोहरा रोड पर मुठभेड़ जैसी घेराबंदी, दो शातिरों से अवैध तमंचे बरामद

दैनिक बुलंद मंज़िल
बरेली। अपराधियों के खिलाफ पुलिस का सख्त अभियान जारी है। थाना बारादरी पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। देर रात चली इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बीती रात जब पुलिस टीम पीलीभीत बाईपास रोड स्थित 99 बीघा क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी सूचना मिली कि एक संदिग्ध युवक किसी वारदात की फिराक में खड़ा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और फरदीन (32 वर्ष) निवासी एजाज नगर गोटिया को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर,एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। इसी क्रम में दूसरी पुलिस टीम ने डोहरा रोड, ब्वॉयज हॉस्टल के पास कार्रवाई करते हुए दीपक (34 वर्ष) निवासी रामगंगा नगर कॉलोनी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक नाजायज तमंचा 315 बोर,एक जिंदा कारतूस (जिसकी पैंदी पर निशान) बरामद किया गया। आरोपी पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन टीम ने उसे घेरकर दबोच लिया। दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना बारादरी में धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की तैयारी की जा रही है।

भाकियू हिन्द के प्रदेश महासचिव डॉक्टर सलमान भारती व जिलाध्यक्ष शमशीर पोंटिंग ने नहटौर ईओ को सौंपा ज्ञापन

आवारा कुत्तों का बढ़ते आंतक से जनता परेशान

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो
चीफ बिजनौर

बिजनौर /नहटौर। नगर में आवारा कुत्तों का आंतक लगातार बढ़ता जा रहा है। इस सम्बन्ध में भारतीय किसान यूनियन (हिन्द) के युवा प्रदेश महासचिव डॉ. सलमान भारती व युवा जिलाध्यक्ष बिजनौर शमशीर पोंटिंग ने नहटौर ईओ ओम गिरी को ज्ञापन सौंपा। नगर के विभिन्न इलाकों में आवारा कुत्तों की भारी तादाद देखने को मिल रही हैं। जो कि आम जन की परेशानी का कारण बन रहीं है। प्रेस वार्ता के दौरान युवा प्रदेश महासचिव डॉक्टर सलमान भारती ने बताया कि



हमारे युवा जिलाध्यक्ष भाकियू (हिन्द) शमशीर पोंटिंग सभासद द्वारा अवगत कराया की नगर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रहीं है। बीते दिनों से लगातार लोगों व मासूम बच्चों को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया हुआ है जो कि बेहद चिंतनीय है। इसी को देखते हुए आवारा कुत्तों को पकड़वाने के सम्बन्ध में सोमवार को नहटौर नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी ओम गिरी को ज्ञापन दिया गया। अधिशासी अधिकारी ओम गिरी द्वारा जल्द ही आवारा कुत्तों को पकड़वाने का आश्वासन दिया। उधर नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे नसबंदी अभियान और डॉग कैचिंग की सक्रियता पर भी अब जनता सवाल उठा रही है, क्योंकि जमीनी स्तर पर कुत्तों का आतंक कम होने के बजाय बढ़ता ही जा रहा है। सड़कों पर बेखौफ घूमते ये हिंसक कुत्ते बुजुर्गों और बच्चों के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं।

अंबेडकर जयंती पर बसपा में सियासी हलचल: मायावती के नेतृत्व में संगठन मजबूती को लेकर लखनऊ कूच

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में सोमवार, 13 अप्रैल 2026 को बसपा के जिला उपाध्यक्ष अकील अंसारी अपने समर्थकों और कार्यकताओं के साथ लखनऊ के लिए रवाना हुए, जिससे क्षेत्र में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि बसपा सुप्रीमो मायावती के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने और आगामी रणनीतियों पर चर्चा के लिए यह कूच किया गया है। साथ ही चांदपुर नगर अध्यक्ष पद को लेकर भी मंथन जारी है, जिसको लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।



अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने का संदेश इस अवसर पर कार्यकताओं ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को याद करते हुए सामाजिक समानता, न्याय और अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। नेताओं ने कहा कि बसपा हमेशा बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलकर समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करती रही है। कार्यकताओं की रही बड़ी भागीदारी लखनऊ कूच के दौरान अकील अंसारी के साथ अल्वी हाजी इजाज अंसारी, तेजपाल, रवि, मोहम्मद अकबर, मोहम्मद अरशद उर्फ मोनू, मोहम्मद शाहरुख, मोहम्मद फरमान, रईस अल्वी, शहजाद हुसैन, दानिश हुसैन, कयामुद्दीन, शाहिद हसन, अयान अल्वी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन विस्तार पर जोर पार्टी सूत्रों के अनुसार, बसपा नेतृत्व द्वारा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी देने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। चांदपुर नगर अध्यक्ष पद को लेकर भी शीर्ष नेतृत्व गंभीरता से विचार कर रहा है। राजनीतिक सरगर्मी तेज इस घटनाक्रम के बाद चांदपुर क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कार्यकताओं का मानना है कि यह कदम पार्टी को नई दिशा और मजबूती देगा। बसपा का यह कूच न केवल अंबेडकर जयंती के संदेश को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

मोहसिन किदवई और आशा भोसलें को कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

दैनिक बुलंद मंजिल
फहीम अख्तर

बिजनौर। ज़िला कांग्रेस कार्यालय पर शहर कांग्रेस कमेटी बिजनौर द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय मोहसिना किदवई तथा भारत की मशहूर गायिका स्वर्गीय आशा भोसलें के निधन पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनको श्रद्धांजलि दी तथा शोक सभा का आयोजन किया गया। शहर अध्यक्ष हुमायूँ बेग ने आयोजित सभा में कहा कि मोहसिन किदवई कांग्रेस की एक मजबूत नेता के साथ साथ एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थी। सन- 1975 में इमरजेंसी के बाद पार्टी में आए तमाम उतार चढ़ाव के बाद भी वह पार्टी व नेतृत्व के साथ



मजबूती से खड़ी रहीं। सन- 1978 में आजमगढ़ लोकसभा से उपचुनाव जीतकर पार्टी और कार्यकताओं में साहस और ऊर्जा भरने का काम किया। उन्होंने देश में कांग्रेस के प्रति बदलते नजरिये को ही बदल कर रख दिया जिसका प्रमाण सन- 1980 में हुए आम चुनावों में कांग्रेस ने एक मजबूत सरकार बनाकर देश का नेतृत्व किया। प्रसिद्ध भारतीय गायिका आशा भोसले को याद करते हुए कहा कि गायिकी के युग का अंत हो चुका। आशा भोसले ने अपनी आवाज व सादगी से हर दौर के करोड़ों भारतीयों व विदेशियों के दिलों में जगह बनायी है। जो हमेशा बनी रहेगी। उनका जाना भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय छति है जिसे भरा जाना नामुमकिन है। जलियाँवाला बाग में हुए जन नरसंहार में शहीद हुए वीरों को याद को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। जुल्फ के खिलाफ, अपने वतन के लिए अंग्रेजी हुकूमत के आगे ना झुकना हम सभी भारतीयों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। आयोजित शोक सभा में मुख्य रूप से शहर अध्यक्ष हुमायूँ बेग, वरिष्ठ नेता नीरज चौधरी, पूर्व आईएएस आरके सिंह, मो. अकबर, नजाकत अल्वी, मीनू गोयल, इकबाल ठेकेदार, जाफर हसनैन, मो. हनीफ, सविता सिंह, मो.सलीम, अनिल त्यागी, काजी आतिफ, नादिर मलिक, हरिराज सिंह, समद आजाद,मो. रफत, कमरूननिसा, मो. इब्राहिम, फारुक खान आदि कांग्रेस जन मौजूद रहें।

केरल में तालाब में डूबकर नगीना के युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। नगर के मोहल्ला खुर्रम अली सराय निवासी 20 वर्षीय अनस पुत्र तुफैल की केरल में तालाब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर जैसे ही नगीना स्थित उसके घर पहुंची,परिवार में कोहराम मच गया और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई।बताया गया कि अनस अपने बड़े भाई 25 वर्षीय विशाल के साथ केरल में वेल्डिंग का काम करता था।रविवार को छुट्टी होने के

चलते वह अपने भाई और कुछ दोस्तों के साथ नहाने के लिए एक तालाब में गया था।इसी दौरान गहराई में जाने से वह डूब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।मृतक अनस अपने पीछे तीन बहनों और एक बड़े भाई सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गया है।परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह घर से दूर रोजी रोटी कमाने गया था,लेकिन यह हादसा हो गया।अनस के पिता तुफैल अहमद उत्तराखंड के डोईवाला में कबाड़ की फेरी का काम करते हैं। परिवार में एक बहन की शादी हो चुकी है,जबकि दो बहनें अभी अविवाहित हैं।सोमवार देर शाम तक अनस का शव नगीना नहीं पहुंच सका था।सूत्रों के अनुसार शव को देर रात फ्लाइट के माध्यम से दिल्ली लाया जाएगा,जिसके बाद उसे नगीना लाया जाएगा।युवक की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

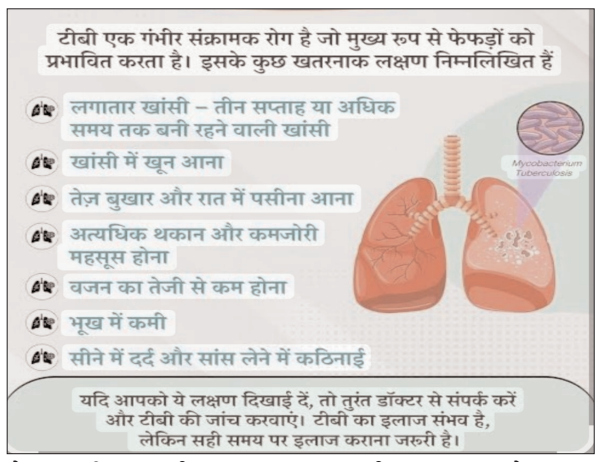
दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बिजनौर

संभल
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

100 दिन में टीबी पर वार : टीबी मुक्त भारत अभियान
तेज, मुफ्त जांच-इलाज के लिए सरकार का बड़ा कदम

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । प्रदेश में टीबी जैसी गंभीर संक्रामक बीमारी को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से 24 मार्च 2026 से 100 दिवसीय ह्यटीबी मुक्त भारत अभियानह्ल का व्यापक स्तर पर संचालन किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें समय पर मुफ्त जांच और उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से इलाज योग्य बीमारी है, बशर्ते समय रहते इसकी पहचान हो जाए। इसलिए लोगों को इसके लक्षणों के प्रति सजग रहने की सलाह दी गई है। इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज लगातार दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, रात



में अत्यधिक पसीना आना, बलगम में खून आना (हेमोप्टाइसिस), सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, अचानक वजन कम होना, भूख न लगना और अत्यधिक थकान–ये सभी टीबी के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। इसके अलावा गर्दन में गांठ या गिल्टी होना भी टीबी का संकेत हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इन लक्षणों के दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच कराना जरूरी है, ताकि बीमारी को शुरूआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सके। सरकारी अस्पतालों में पूरी सुविधा मुफ्त अभियान के तहत सभी सरकारी अस्पतालों में टीबी की जांच, छाती का एक्स-रे और उपचार पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। मरीजों को न केवल दवाइयां दी जाती हैं, बल्कि नियमित निगरानी और परामर्श भी प्रदान किया जाता है, जिससे वे पूरी तरह स्वस्थ हो सकें। हेल्पलाइन नंबर से लें जानकारी टीबी से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए सरकार द्वारा 1800116666 हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। इस नंबर पर संपर्क कर लोग आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। जन-जन की भागीदारी से बनेगा टीबी मुक्त प्रदेश

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे टीबी के लक्षणों को नजरअंदाज न करें, समय पर जांच कराएं और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। जनभागीदारी से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है और प्रदेश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

मिशन शक्ति का दमदार अभियान : महिलाओं को अधिकार, सुरक्षा और स्वावलंबन का दिया मंत्र

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत सोमवार को थाना चांदपुर क्षेत्र के गड्ढा कॉलोनी कस्बा में एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लेकर अपने अधिकारों और सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम का संचालन उप निरीक्षक कुमारी जया, महिला आरक्षी 87 प्रीति तोमर तथा आरक्षी 585 सौरभ पंवार द्वारा किया गया। पुलिस टीम ने उपस्थित महिलाओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए उन्हें आत्मरक्षा, कानूनी अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया।



इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया। महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को देखा और सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों की सराहना की। कार्यक्रम में पुलिस टीम द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई, जिनमें महिला हेल्पलाइन 181, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों का उपयोग कर वे तुरंत सहायता प्राप्त कर सकती हैं। इसके अलावा महिलाओं को घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने, अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी रखने तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों जैसे अश्लील संदेश भेजना, ऑनलाइन परेशान करना आदि के बारे में भी विस्तार से बताया गया और ऐसे मामलों में क्या कार्रवाई करनी चाहिए, इसकी जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बालिकाओं को छेड़छाड़ और अन्य अपराधों से बचाव के उपाय भी बताए तथा साइबर अपराध के प्रति सचेत रहने की सलाह दी। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया गया, ताकि महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रह सकें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के जागरूकता अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक साबित हो रहे हैं। मिशन शक्ति टीम, थाना चांदपुर, जनपद बिजनौर द्वारा चलाया गया यह अभियान महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

व्यापारी के घर हुई चोरी का खुलासा, तीन शातिर चोर गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
फहीम अख्तर

बिजनौर। शहर के नई बस्ती क्षेत्र में व्यापारी अमित अग्रवाल के बंद मकान में दिनदहाड़े हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, जेवरात, वाहन सहित चोरी का सामान भी बरामद किया है। बताते चलें कि कुछ समय पूर्व व्यापारी अमित अग्रवाल के बंद मकान में हुई चोरी से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। इस घटना ने पुलिस के लिए चुनौती खड़ी कर दी थी। व्यापारियों ने भी चोरी के खुलासे में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे और पुलिस अधीक्षक से मिलकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर विशेष टीमों का गठन किया।



सर्विलांस, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिरों की सहायता से करीब एक माह तक लगातार निगरानी के बाद 12 अप्रैल 2026 को पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर दबिश देकर तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एसपी सिटी कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वसीम उर्फ चपटा (निवासी सरावा, थाना खरखौदा, जनपद मेरठ), विनय उर्फ रिंकू उर्फ चाचा (ग्राम बिजौली, थाना खरखौदा, मेरठ) तथा अरुण वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से लगभग 2 लाख 48 हजार रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण, एक कार, एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल तथा ताला तोड़ने के उपकरण बरामद किए हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम देता था। आरोपी पहले बंद पड़े मकानों की रेकी करते थे और फिर मौका देखकर ताले तोड़कर चोरी कर फरार हो जाते थे। चोरी के बाद माल का आपस में बंटवारा किया जाता था, जबकि चांदी के आभूषणों को गलाकर सिल्ली बनाकर बाजार में बेचा जाता था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी रहा है और इनके खिलाफ विभिन्न जनपदों में कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब इनके पुराने रिकॉर्ड खंगाल रही है और अन्य राज्यों से भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का मानना है कि इस गिरोह में अन्य सदस्य भी शामिल हो सकते हैं, जो फिलहाल फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही गिरोह के पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

सरस्वती विद्या मंदिर में गूंजे देशभक्ति के स्वर : अंबेडकर जयंती व जलियांवाला बाग हत्याकांड पर भावपूर्ण कार्यक्रम

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, चांदपुर में सोमवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती एवं जलियांवाला बाग हत्याकांड की स्मृति में एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वंदना सत्र के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चांदपुर डिग्री कॉलेज के बीएड विभागाध्यक्ष नरेश कुमार, भाजपा के जिला मंत्री केशव कुमार एवं अभिभावक यतीश कुमार उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य नवनीत कुमार ने सभी अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर पर नरेश कुमार द्वारा केशव कुमार को भाजपा जिला मंत्री के नवीन दायित्व हेतु माला पहनाकर सम्मानित किया गया। महापुरुषों के आदर्शों पर चला प्रकाश



कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्ष, शिक्षा के महत्व और भारतीय संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को विस्तार से बताया। साथ ही जलियांवाला बाग हत्याकांड की हृदयविदारक घटना का वर्णन करते हुए देश के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। छात्रों में जागी देशभक्ति और जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं से अवगत कराते हुए उनमें देशभक्ति, सामाजिक समानता और संविधान के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या पारुल त्यागी ने किया, जबकि छायांकन का कार्य आचार्य रचित एवं कक्षा 10 के छात्र देव नामदेव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर देश के महान नायकों को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

चांदपुर में युवक की हत्या, पुलिस ने एक और आरोपी दबोचा मामूली टक्कर बनी थी मौत की वजह

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र में एक मामूली सड़क हादसे के बाद हुआ विवाद युवक की जान पर भारी पड़ गया। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि इससे पहले भी कई अभियुक्त जेल भेजे जा चुके हैं। मामला ग्राम हैजरपुर का है, जहां निवासी राकेश ने थाना चांदपुर में तहरीर देकर बताया था कि उसका भतीजा प्रशांत एक समारोह से लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में ग्राम तखनपुरी निवासी युवती पलक की एक्टिवा स्कूटी से उसकी टक्कर हो गई। आरोप है कि घटना के बाद पलक ने अपने



परिजनों को मौके पर बुला लिया, जिन्होंने लाठी-डंडों से प्रशांत पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल प्रशांत को उपचार के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां 25 मार्च 2026 को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में मामला परिवर्तित किया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। विवेचना के दौरान कई आरोपियों के नाम सामने आए, जिनमें निकरांत उर्फ निक्की, संजीव, सचिन कुमार और अभिनय को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब एक और आरोपी गिरफ्तार मामले में कार्रवाई जारी रखते हुए 13 अप्रैल 2026 को चांदपुर पुलिस ने नवनीत कुमार पुत्र धर्मपाल सिंह निवासी ग्राम तखनपुरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी इस गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक छविनाथ, कांस्टेबल इंसाद और कांस्टेबल अशोक कुमार की अहम भूमिका रही। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में भी जुटी हुई है। परिजनों को न्याय की उम्मीद घटना के बाद मृतक के परिजनों में आक्रोश है, वहीं पुलिस की लगातार कार्रवाई से उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। मामूली विवाद में हुई इस हत्या ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है, जबकि पुलिस का कहना है कि सभी दोषियों को जल्द कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

चांदपुर पुलिस का बड़ा खुलासा : सेफ तोड़कर लाखों की चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, साथी फरार

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर पुलिस ने घर की सेफ से जेवरात और नगदी चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का कुछ सामान व नकदी बरामद की है, जबकि उसका साथी अभी फरार बताया जा रहा है। मोहल्ला शाहचंदन निवासी श्रीमती सायमा जहां पत्नी अजीम ने थाना चांदपुर में तहरीर देकर बताया था कि उनके घर की सेफ से 3 सोने की चैन, 4 अंगूठियां, 4 जोड़ी कान के बुंदे, एक ब्रेसलेट, 50 हजार रुपये नगद, बैंक पासबुक और आधार कार्ड चोरी हो गए थे। इस पर चांदपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। चेकिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी दिनांक 13 अप्रैल 2026 को चांदपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान साजिद पुत्र निसार अहमद निवासी



मोहल्ला काजीसराय, चांदपुर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक सफेद धातु की चैन, पीली धातु की एक गांठ (करीब 3 ग्राम) और 2,200 रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में सामने आई पूरी साजिश पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने अपने साथी मुख्तार निवासी मोहल्ला शाहचंदन के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। मुख्तार ने पहले घर की रेकी की और फिर दोनों ने योजना बनाकर सेफ से जेवरात व नकदी चोरी कर ली। चोरी के बाद सामान का आपस में बंटवारा किया गया, जिसमें अधिकतर जेवरात मुख्तार अपने साथ मुंबई ले गया। आरोपी ने यह भी बताया कि वह चोरी के सोने को बेचने के लिए दिल्ली तक गया, लेकिन उचित कीमत न मिलने पर उसे गलवाकर अपने पास रख लिया। पुलिस टीम की सराहनीय कार्रवाई इस सफल खुलासे में उपनिरीक्षक सागर चौधरी, हेड कांस्टेबल नरेश पूनिया व कांस्टेबल रणजीत मलिक की अहम भूमिका रही। फरार आरोपी की तलाश तेज चांदपुर पुलिस फरार आरोपी मुख्तार की तलाश में जुटी है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से चांदपुर क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने की दिशा में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

व्यापारी इसरार अहमद की हत्याकांड का खुलासा,तीन आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
फहीम अख्तर

बिजनौर। जनपद के धामपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस के अनुसार, 8 मार्च 2026 को नूरपुर निवासी अफसर ने अपने भाई इसरार अहमद के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की, जिसमें अपहरण और हत्या की आशंका के चलते



मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पुलिस ने बताया कि आशु उर्फ आकिब, शाहनवाज उर्फ शानू और जाबिर ने मिलकर इसरार अहमद का अपहरण किया और बाद में उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने पैसे हड़पने के लालच में इस वारदात को अंजाम दिया। हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए शव पर पेट्रोल डालकर जला दिया गया और उसके अवशेष नूरपुर क्षेत्र में नहर किनारे फेंक दिए गए। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर नहर किनारे झाड़ियों से मृतक का कंकाल बरामद किया। इसके साथ ही हत्या में प्रयुक्त रस्सी, जरी कैन, मृतक की चप्पल, ब्रेसलेट और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं में बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। तीनों आरोपियों को 12 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

निशानेबाजी में द हेजलमून स्कूल का धमाका : स्वर्ण-रजत पदकों की बरसात, छात्रों ने बढ़ाया मान

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। स्थित द हेजलमून स्कूल के विद्यार्थियों ने निशानेबाजी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है। छात्रों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। शामली में आयोजित आठवीं रजत निर्वाल मेमोरियल शूटिंग प्रतियोगिता (9 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026) में विद्यालय के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 8 के छात्र प्रियांशु कुमार ने सब यूथ एयर राइफल वर्ग में 617.3/600 के प्रभावशाली स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। वहीं कक्षा 7 की छात्रा अन्वी ढाका ने एनआर एयर राइफल सब यूथ वर्ग में 379/400 अंक प्राप्त कर स्वर्ण



पदक अपने नाम किया। इसी प्रतियोगिता में हर्षी यादव ने (क्ररत्र) सब यूथ एयर राइफल महिला वर्ग में 611.7/600 का शानदार स्कोर करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसके अतिरिक्त, बिजनौर स्थित वी.के.आई.टी. कॉलेज में आयोजित कल्पवृक्ष शूटिंग चैंपियनशिप (9 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026) में भी छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। एयर राइफल स्पर्धा में प्रियांशु कुमार ने स्वर्ण पदक हासिल किया, साथ ही सी.ओ.सी. (उडउ) में 1500 अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता साबित की। वहीं एयर पिस्टल सीनियर सर्व पुरुष वर्ग में शुभ डबास ने रजत पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। अन्य प्रतियोगिताओं में भी छात्रों ने सराहनीय प्रदर्शन कर अपनी क्षमता का परिचय दिया। विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने छात्रों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता उनके अनुशासन, समर्पण और कठोर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रदर्शन से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गरिमा सिंह ने भी सभी विजेता छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को खेल एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा। विद्यालय परिवार ने सभी विजेता छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की कामना की है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
हाथरस/रामपुर/बरेली

संभल
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

दीवान कामता स्कूल कार्यालय पर मनाया गया स्थापना दिवस

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कुमारी माधुरी सक्सेना को किया सम्मानित



दैनिक बुलंद मंज़िल /विनोद गुप्ता

शाहाबाद रामपुर। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस को लेकर भारतवर्ष में भाजपाइयों में बेहद खुशी देखने को मिल रही है ऐसा ही एक कार्यक्रम जनपद रामपुर के तहसील शाहबाद के सुप्रसिद्ध दीवान कामता प्रसाद स्कूल के कार्यालय सभागार में भाजपाइयों के द्वारा मनाया गया। भाजपा का 47 वा स्थापना दिवस पर पार्टी की विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा परि चर्चा की गई जिस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेश बाबू गुप्ता के द्वारा महिलाओं के सम्मान को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई जिस दौरान वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता ने अपनी पार्टी की वरिष्ठ महिला नेता कुमारी माधुरी सक्सेना एडवोकेट को सम्मानित भी किया गया। बताते चलें कि कुमारी माधुरी सक्सेना एडवोकेट हमेशा भाजपा को लेकर एक वरिष्ठ सक्रिय कार्य करता हैं । इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभाष कुमार भटनागर, महेश चंद्रवंशी, ठाकुर नरेंद्र सिंह, अमित चंद्रवंशी, रेनू श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

जिले भर में पुलिस की पहल, सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर दिया जोर



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जिले में ह्नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबनह्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों की पुलिस, एंटी रोमियो टीम और महिला बीट आरक्षियों द्वारा यह अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पुलिस टीमों द्वारा शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर चौराहों, बाजारों, मंदिरों, शॉपिंग मॉल, स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं और महिलाओं को गुड टच-बैड टच के बारे में जागरूक किया गया और किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत परिजनों या पुलिस को सूचित करने की सलाह दी गई। इसके साथ ही साइबर अपराधों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और डिजिटल सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस टीमों ने हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 (वीमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1098 (चाइल्ड लाइन), 108 (एम्बुलेंस सेवा) और 1930 (साइबर हेल्पलाइन) की जानकारी देकर महिलाओं को सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

पुलिस के अफसरों ने शांति व्यवस्था को लेकर किया क्षेत्र का दौरा

दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद रामपुर । त्यौहारों को लेकर पुलिस प्रशासन बेहद सतर्क नजर आ रहा है, क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रहे इसके लिए पुलिस के आला अधिकारी समेत प्रशासनिक अधिकारी भी लोगों के बीच जाकर शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील कर रहे है। वहीं अराजक तत्वों के बारे में भी लोगों से पुलिस को तुरंत सूचना देने की अपील की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को रामपुर के अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह, एसडीएम आशुतोष कुमार, सीओ देवकीनंदन और कोतवाल प्रदीप कुमार ने टांडा क्षेत्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने टांडा, रमपुरा और जगेसर गांव का दौरा कर लोगों से क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के साथ अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। एएसपी अनुराग सिंह इससे पहले शाहबाद नगर में बनी कस्बा पुलिस चौकी पर भी पहुंचे और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान अपराध निरीक्षक जयप्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक अतिशय जैन, एसआई रमेश चंद्र, एसआई दिलीप सिंह उपस्थित रहे।

शादी में पूरे घर से दावत खाना पड़ा भारी, घर में हुई चोरी

दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद रामपुर । मामला कोतवाली शाहबाद क्षेत्र से जुड़ा है जहां सड़क किनारे बने मकान में रहने वाले खालिद पुत्र नन्हे, अपने परिजनों के साथ रठौंडा थाना क्षेत्र के ग्राम सिहारी में एक शादी समारोह में गए हुए थे। घर में उनकी मां, भाई-बहनें तथा अन्य सदस्य भी नहीं थे क्योंकि वे लोग पाकवाड़ा स्थित ईंट भट्टे पर काम करते है घर को खाली जानकर चोरों ने मौके का फायदा उठाया। बताया जा रहा है कि डेढ़ लाख रुपए नगद सोने-चांदी की ज्वेलरी घर में खड़ी तीन ई-रिक्शाओं की बैटरियां चोरी कर फरार हो गए।खालिद पड़ोसियों द्वारा चोरी की जानकारी हुई।गांव के लोगों ने पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच जुटी।

जूस की दुकान खोलने पहुंचा मालिक, अंदर मिली महिला की लाश, देखते ही मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची पुलिस, जांच शुरू

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जहां रोड नंबर 8 स्थित एक गन्ने के जूस की दुकान में अज्ञात महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सुबह-सुबह मिली इस घटना की सूचना ने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के मुताबिक रोजाना की तरह जब दुकान मालिक सुबह अपनी जूस की दुकान खोलने पहुंचा, तो अंदर का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। दुकान के भीतर एक महिला का शव पड़ा था। घबराए दुकानदार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही इज्जतनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी। महिला की शिनाख्त नहीं, कई सवाल खड़े मृतका की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। महिला कौन थी, वह दुकान तक कैसे पहुंची और उसकी मौत कैसे हुई–इन सभी सवालों ने मामले को और ज्यादा संदिग्ध बना दिया है। स्थानीय लोग भी घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं कर रहे हैं। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है, जिससे हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। उउळश फुटेज खंगाल रही पुलिस, आसपास पूछताछ मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि महिला कब और कैसे दुकान तक पहुंची। इसके साथ ही आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा राज इज्जतनगर इंस्पेक्टर सुरेश चंद गौतम ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा कर रही है।

धर्म छिपाकर शादी, फिर प्रताड़ना और अब जान से मारने की धमकी , मां-बेटी की जिंदगी बनी डर का साया

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवक पर धर्म छिपाकर शादी करने, फिर युवती को प्रताड़ित करने और अब पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। इतना ही नहीं, आरोपी पर सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो-वीडियो वायरल कर बदनाम करने का भी गंभीर आरोप है। कैंट थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला के अनुसार, उनकी पुत्री से वर्ष 2021 में मोहल्ले के ही एक युवक ने अपना धर्म छिपाकर प्रेम विवाह कर लिया। शादी के बाद जब असलियत सामने आई, तब से ही आरोपी ने युवती को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि उसे कमरे में बंद कर भूखा-प्यासा रखा जाता था और उस पर गलत काम करने के लिए दबाव बनाया जाता था। 2022 में तलाक, लेकिन खत्म नहीं हुआ उत्पीड़न मामले की शिकायत वर्ष 2022 में पुलिस अधिकारियों से की गई, जिसके बाद समझौते के तहत आरोपी ने युवती को तलाक दे दिया। लेकिन इसके बाद भी आरोपी लगातार दबाव बनाता रहा कि युवती उसके साथ रहे। सोशल मीडिया पर गंदी हरकतें, परिवार को धमकी प्रार्थिनी के मुताबिक, 9 मार्च 2026 को आरोपी ने इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिए धमकी भरे मैसेज भेजे। धमकी दी गई कि अगर युवती को साथ नहीं भेजा गया तो उसके दोनों बेटों का अपहरण कर हत्या कर दी जाएगी। मां-बेटी की फोटो एडिट कर अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए गए। वायरल पोस्ट में मां-बेटी को गलत तरीके से बदनाम किया गया, जिससे समाज में उनकी छवि खराब हो गई। पीड़िता का आरोप है कि उसने कई बार थाना कैंट में शिकायत की, लेकिन अब तक आरोपी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। फिलहाल महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार घायल केस दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

पटवाई रामपुर। जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार घायल केस दर्ज पटवाई कस्बा निवासी जगजीत सिंह ने थाने में शिकायत पत्र देकर बताया है कि वो अपने बेटे के साथ गांव नरखेड़ा खेत से घर वापस लौट रहे थे वहीं रास्ते में गैस गोदाम के पास 27 मार्च को सामने से आ रही जेसीबी ने उनकी मोटरसाइकल को टक्कर मार दी। जिसमें उनके बेटे हरमनप्रीत सिंह को गंभीर चोटें आई वहीं घायल हरमनप्रीत को आनन फानन में विवेकानंद अस्पताल मुरादाबाद में भर्ती कराया। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी।

आमने-सामने से हुई दो बाईकों की भिड़ंत , एक घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद । अब साहब रोड तो चौड़ा और चकाचक हो गया लेकिन लोगों की स्पीड और लापरवाही बढ़ गई जहां एक तरफ बाइक सवार सही अपने हिसाब से चल रहा है तो दूसरी तरफ दूसरा वहां बड़ी तेज स्पीड में आते हुए सामने वाले को ठोक देता है जिसमें दोनों घायल हो जाते हैं सोमवार को ग्राम रुस्तमपुर निवासी 40 वर्षीय सर्वेश पुत्र भगवन्त सिंह अपने भाई की मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर शाहबाद किसी कार्य से आए थे। जहां दोपहर में शाहबाद से अपने गांव की ओर जाते समय सरकारी अस्पताल शाहबाद के सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकराकर मार्ग पर गिर गए और घायल हो गए उनके घुटने में चोट आई। गनीमत यह रही कि दोनों की मोटरसाइकिलों की स्पीड काफी कम थी वरना एक बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था । जहां उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया।

बिना हेलमेट बेबी गर्ल का बाइक स्टंट, वीडियो वायरल-कार्रवाई की मांग

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र में एक युवती का बिना हेलमेट और बाइक चलाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवती कॉलोनी की सड़कों पर तेज रफ्तार में बाइक चलाती नजर आ रही है, जिसे कुछ लोग ह्यबेबी गर्लह्व के नाम से पहचान रहे हैं। बताया जा रहा है कि वीडियो बीडीए कॉलोनी का है, जहां युवती खुलेआम ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करती दिख रही है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर कड़ी नाराजगी जताई है और Bareilly Police U Uttar Pradesh Police से सख्त कार्रवाई की



मांग की है। नियमों की अनदेखी, हादसे का खतरा ट्रैफिक नियमों के अनुसार बिना हेलमेट वाहन चलाना कानूनन अपराध है। ऐसे में इस तरह की लापरवाही न केवल खुद के लिए बल्कि अन्य लोगों के लिए भी हादसे का कारण बन सकती है। ट्रैफिक पुलिस पर उठे सवाल वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने Bareilly Traffic Police की सक्रियता पर भी सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि रिहायशी इलाके में इस तरह खुलेआम नियमों का उल्लंघन होना पुलिस की गश्त व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाता है। क्या कहती है पुलिस हालांकि इस मामले में अभी तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन वीडियो के आधार पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

हाथरस : जुआ खेलते दो आरोपी गिरफ्तार,नकदी और ताश की गड्डी बरामद

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। कोतवाली नगर पुलिस ने जुआ खेलने के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए दो जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ?1550 नकद और ताश की गड्डी बरामद की है। यह कार्रवाई 12 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मुरसान गेट रोड स्थित एक पान की दुकान पर छापा मारकर दोनों आरोपियों को हार-जीत की



बाजी लगाकर जुआ खेलते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंकज गुप्ता निवासी विजय नगर मुरसान गेट और शरीफ निवासी लाला का नगला के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र सिंह राघव के नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम ने अंजाम दिया।

बदायूं रोड पर 7 किलो डोडा छिलका संग तस्कर गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 7 किलो डोडा छिलका के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बदायूं रोड स्थित बीडीए गेट के पास की गई। पुलिस टीम शांति व्यवस्था और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग में लगी हुई थी, तभी सूचना मिली कि एक व्यक्ति बैग में डोडा छिलका लेकर बीडीए गेट के पास खड़ा है और किसी सवारी का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया।पुलिस को देखते ही आरोपी तेजी से भागने लगा, लेकिन टीम ने दौड़कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने खुद स्वीकार किया कि वह बैग में डोडा छिलका लेकर बेचने जा रहा था। आरोपी की पहचान सर्वेश कश्यप पुत्र सोहनलाल कश्यप निवासी ग्राम अगैंसी, थाना अलापुर, जिला बदायूं के रूप में हुए।पुलिस ने आरोपी के बैग की तलाशी ली, जिसमें छोटी-छोटी पॉलिथीन में भरा हुआ करीब 7 किलो डोडा छिलका बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है।

विकलांग से ठगी, धमकी और अपमान

पुलिस ने नहीं की एफआईआर दर्ज , न्याय के लिए दर-दर भटक रहा पीड़ित

बरेली। एक विकलांग व्यक्ति के साथ ठगी, गाली-गलौच और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि दबंग महिला ने इलाज के नाम पर 20 हजार रुपए उधार लेकर न सिर्फ वापस नहीं किए, बल्कि पैसे मांगने पर उसे धमकाया और अपमानित किया। हैरानी की बात यह है कि थाना स्तर पर भी पीड़ित को न्याय नहीं मिला। जिसके बाद उसने कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। कैंट थाना क्षेत्र के बंगला नंबर-12 निवासी राजन संधू (विकलांग) के अनुसार, फाइक एन्क्लेव फेस-2 निवासी एक महिला ने 20 सितंबर 2025 को इलाज के नाम पर 20,000 हजार रुपए उधार मांगे। काफी मिन्नतों के बाद पीड़ित ने यूपीआई के जरिए रकम भेज दी, इस शर्त पर कि 8 दिन में पैसे लौटा दिए जाएंगे। लेकिन तय समय बीतने के बाद जब पीड़ित ने अपने पैसे मांगे, तो महिला ने गाली-गलौच शुरू कर दी और कथित तौर पर जान से मरवाने की धमकी दी। पुलिस से मदद नहीं, उल्टा निराशा हाथ लगी पीड़ित का आरोप है कि उसने थाना कैंट में शिकायत दी, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद 18 नवंबर 2025 को पीड़ित ने वढ-112 पर कॉल कर पुलिस बुलाई, लेकिन महिला ने पुलिसकर्मियों से भी अभद्रता कर उन्हें भगा दिया। जनसुनवाई में शिकायत, फिर भी नहीं मिला न्याय पीड़ित ने 22 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद 1 दिसंबर को महिला को थाने बुलाया गया और 3 दिसंबर तक पैसे लौटाने का समय दिया गया। लेकिन पीड़ित के अनुसार, वह 3 घंटे तक थाने में बैठा रहा, महिला नहीं आई। कप्तान कार्यालय से भी नहीं मिली राहत 24 दिसंबर 2025 को पीड़ित एसएसपी कार्यालय पहुंचा, जहां प्रार्थना पत्र संबंधित थाना प्रभारी को भेज दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि बिना जांच के ही शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। पीड़ित राजन संधू का कहना है कि वह विकलांग है और उसकी जमा पूंजी ही उसके जीवन यापन का सहारा है। इसके बाद उसने कोर्ट की शरण ली, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर कैंट पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पासपोर्ट कार्यालय को फिर बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया गया दफ्तर, मची अफरा-तफरी

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। डीडी पुरम स्थित पासपोर्ट कार्यालय को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। ईमेल के जरिए मिली इस धमकी ने प्रशासनिक महकमे में अफरा-तफरी मचा दी। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया और पूरे परिसर को खाली कराकर सघन जांच अभियान शुरू किया गया। धमकी भरे ईमेल में दोपहर 1:10 बजे विस्फोट का समय लिखा था। अलर्ट के बाद पासपोर्ट अधिकारी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। दोपहर एक बजे से लेकर करीब डेढ़ बजे तक पूरे कार्यालय का स्टाफ बाहर खड़ा रहा। इस दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने हर कमरे, फाइल सेक्शन और लोगों के बैग तक की गहन तलाशी ली। करीब डेढ़ घंटे तक चली सघन जांच के बाद भी कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद टीम ने राहत की सांस लेते हुए कार्यालय को फिर से सामान्य रूप से संचालित करने की अनुमति दे दी। हालांकि पूरे घटनाक्रम के दौरान इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा। कई जिलों में अलर्ट, बदायूं में भी जांच ईमेल में बरेली के अलावा बदायूं और पीलीभीत के पासपोर्ट सेवा केंद्रों का भी जिक्र किया गया था। इसके चलते इन जिलों में भी पुलिस अलर्ट मोड में आ गई। बदायूं में डाकघर और पासपोर्ट कार्यालयों पर विशेष टीमों ने घंटों तक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। साइबर सेल जुटी, पहले भी मिल चुकी है धमकी पासपोर्ट अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि ईमेल भेजने वाले का कोई नाम-पता नहीं है और इस बार भाषा भी पहले से अलग है। साइबर सेल की टीम ईमेल के आईपी एड्रेस के जरिए आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 मार्च को भी इसी पासपोर्ट कार्यालय को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और जिले में शांति व्यवस्था सामान्य है। आम जनता को किसी तरह की अफवाहों से बचने और घबराने की जरूरत नहीं है।

हाइवे किनारे महिला का शव मिलने से सनसनी , हत्या या प्राकृतिक मौत जांच में जुटी पुलिस

बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में हाइवे किनारे एक महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सुबह जैसे ही राहगीरों ने शव को देखा, मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही इज्जतनगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर शव की शिनाख्त कराने की कोशिश कर रही है। हत्या और दुष्कर्म से पुलिस का इनकार इंस्पेक्टर इज्जतनगर सुरेश चंद्र गौतम के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामले में हत्या या दुष्कर्म जैसी कोई पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि मामला हत्या का है या प्राकृतिक मौत का।

जनपद बदायूं की समस्त तहसीलो पर आईरा पत्रकारो ने प्रदर्शन कर सौपे ज्ञापन

पांच सूत्रीए मांगो को लेकर पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन





दैनिक बुलंद मंज़िल

बदायूं। उत्तर प्रदेश में मीडिया ने लोकतंत्र परंपराओं और जनतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा शासन एवं प्रशासन का महत्वपूर्ण योगदान दिया है, लंबे समय से हमारे संगठन ऑल इंडिया रिपोर्टर्स एसोसिएशन (आईरा) पत्रकारों की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए विभिन्न मांगे कर रहा है, इसी क्रम में जनपद के समस्त पत्रकारों ने अपने पेशेगत दायित्वों के निर्वहन को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से निम्नलिखित पांच प्रमुख मांगें सभी तहसील विल्सी विसौली सहसबान दातागंज तथा सदर तहसीलो के उपजिलाकारी म तथा पुलिस क्षेत्राधिकारियों को मा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन द्वारा सौपे गये है ज्ञापन मे मांगे 1. सभी पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड की सुविधा प्रदान की जाए पत्रकार दिन-रात कार्य करते हुए समाज को सूचना उपलब्ध कराते हैं, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी उठाने पड़ते हैं। ऐसे में सभी मान्यता प्राप्त एवं कार्यरत पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे और उनके परिवारजन गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ निःशुल्क प्राप्त कर सकें।2. प्रदेश के भीतर रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की व्यवस्था हो समाचार संकलन के लिए पत्रकारों को लगातार विभिन्न स्थानों पर जाना पड़ता है। इस कार्य को सुगम बनाने हेतु जनपद के अंदर एवं प्रदेशभर में रोडवेज बसों में पत्रकारों के लिए निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की जाए, जिससे वे बिना आर्थिक बाधा के समय पर घटनास्थल तक पहुंच सकें।3. पत्रकारों को सरकारी लैपटॉप एवं मोबाइल उपलब्ध कराए जाएं आधुनिक पत्रकारिता पूरी तरह तकनीक पर आधारित हो चुकी है। ऐसे में सभी पत्रकारों को सरकार द्वारा लैपटॉप एवं स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे समाचारों का त्वरित संकलन, संपादन और प्रसारण प्रभावी ढंग से कर सकें तथा डिजिटल पत्रकारिता को बढ़ावा मिल सके। 4. प्रत्येक थाने में पत्रकारों को उचित सम्मान एवं सटीक जानकारी मिले पत्रकारों का कार्य प्रशासन और जनता के बीच सेतु का होता है। इसलिए प्रत्येक थाने में पत्रकारों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें घटनाओं से संबंधित सटीक और सत्य जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे अफवाहों पर रोक लगे और निष्पक्ष खबरें प्रकाशित हो सकें। 5. जिला एवं तहसील प्रशासन द्वारा सूचना संकलन में पूर्ण सहयोग दिया जाए समाचारों की सत्यता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि जिला एवं तहसील स्तर के अधिकारी पत्रकारों को सूचनाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करें। प्रशासनिक स्तर पर एक समन्वय प्रणाली विकसित की जाए, जिससे पत्रकारों को आवश्यक जानकारी समय पर प्राप्त हो सके और जनहित से जुड़े मुद्दे प्रभावी रूप से सामने आ सकें। इन मांगों का उद्देश्य पत्रकारों की कार्यक्षमता, सुरक्षा और सम्मान को बढ़ाना है, जिससे वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन और अधिक निष्ठा एवं प्रभावशीलता के साथ कर सकें। ज्ञापन कार्यक्रम के लिए बदायू सदर मे राजीव पाल दातागंज मे ठा नरेन्द्र सिह विल्सी मे सुनील कुमार सहसवान मे मुशाहिद रजा तथा विसौली तहसील मे ठा वेदपाल सिह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया वही विल्सी मे भानुप्रताप सिह विसौली मे राहूल गुप्ता सहसबान मे अवीर सक्सैना दातागंज मे हरीशंकरशर्मा तथा विसौली मे राहूल गुप्ता तहसील अध्यक्षो के नेतृत्व मे ज्ञापन सौपे गये । सभी तहसीलो मे भारी संख्या मे आईरा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गैर इरादतन हत्या मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार, सादाबाद पुलिस की कार्यवाही

पहले एक आरोपी जा चुका है जेल, दूसरे को आगरा रोड से दबोचा



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल हाथरस। सादाबाद कोतवाली पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के एक मामले में नामजद दूसरे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा पूर्व में इस प्रकरण में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के अनुसार, वादी डॉ. विनय उपाध्याय निवासी सादाबाद ने 25 फरवरी 2026 को तहरीर देकर बताया था कि 20 नवंबर 2025 को उनके क्लीनिक पर महाराज सिंह नामक मरीज उपचार के लिए आया था। हालत गंभीर होने पर उसे सादाबाद स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से 24 नवंबर को आगरा रेफर किया गया, लेकिन उसी दिन उसकी मृत्यु हो गई। आरोप है कि इसके बाद मृतक पक्ष के लोगों ने डॉक्टर से 10 लाख रुपये की मांग की और न देने पर धमकी दी। 29 नवंबर को क्लीनिक पर धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी की गई, जिससे डॉक्टर की पत्नी की तबीयत बिगड़ गई। बाद में दिल्ली में उपचार के दौरान उनकी भी मृत्यु हो गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देश पर कार्रवाई की गई। थाना सादाबाद पुलिस ने 9 अप्रैल 2026 को एक अभियुक्त महिपाल सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी क्रम में सोमवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दूसरे नामजद अभियुक्त सचिन दीक्षित को जे.पी. प्लाजा, आगरा रोड सादाबाद से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में थाना सादाबाद पर मुकदमा संख्या 69,2026 के तहत संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत है। गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई।

मनोरमा में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति कार्यक्रम ने दर्शकों को मोहा मन





दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद रामपुर। सोमवार को स्थानीय मनोरमा बाल विधा मंदिर जूनियर हाई स्कूल , शाहबाद में भारतीय संविधान के निमार्ता और भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक विशेष भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ और गणमान्य अतिथियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि सुनील सागर (जिलाध्यक्ष, भीम आर्मी) और उपस्थित विशिष्ट अतिथियों द्वारा बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया। इसके उपरांत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बाबा साहब के सम्मान में अत्यंत मनमोहक स्वागत गीत और वंदना प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने रखे अपने विचार : जयंती के इस पावन अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने भी मंच पर आकर अपनी-अपनी बात रखी। छात्र-छात्राओं ने अपने ओजस्वी भाषणों और वक्तव्यों के माध्यम से बाबा साहब के जीवन संघर्षों, उनकी उच्च शिक्षा और समाज के वंचित व शोषित वर्गों के उत्थान के लिए किए गए उनके ऐतिहासिक कार्यों पर प्रकाश डाला। बच्चों ने बाबा साहब के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल एक वर्ग विशेष के नेता नहीं बल्कि पूरे आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। उन्होंने देश को एक ऐसा सशक्त संविधान दिया जो सभी नागरिकों को बराबरी का हक और न्याय सुनिश्चित करता है। उन्होंने बच्चों से बाबा साहब के मूलमंत्र "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" को अपने जीवन में उतारने की अपील की। विशिष्ट अतिथियों और स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति : इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के साथ सेवा समिति के अध्यक्ष माधोराम , भीम आर्मी स्टूडेंट फेडरेशन रामपुर के जिलाध्यक्ष सुवीर आजाद जी, भीम आर्मी के जिला महासचिव ब्रह्मसिंह , वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता विजय सिंह और सत्यवीर सिंह जी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने बाबा साहब के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के संस्थापक हर स्वरूप गुप्ता प्रबंधक रवि गुप्ता प्रधानाचार्या नेहा गुप्ता एवं समस्त कॉलेज स्टाफ का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।राष्ट्रगान और सामाजिक समरसता के जयघोष के साथ कार्यक्रम का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

रोटी बैंक पर गूंजा बाबा साहब का संदेश, निःस्वार्थ सेवा संस्थान ने दी अनोखी श्रद्धांजलि

अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजन, बराबरी और सेवा का दिया संदेश



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल हाथरस। शहर में भारतीय संविधान के निमार्ता और भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती की पूर्व संध्या पर ह्यनिःस्वार्थ सेवा संस्थानह्ल द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के प्रसिद्ध ह्यरोटी बैंकह्ल पर आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने एकत्र होकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि दून पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य श्री जे. के. अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि वर्तमान मेला अध्यक्ष योगेंद्र सिंह एवं योगेश केसरी द्वारा डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहेब के सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों के लिए किए गए संघर्षों को याद किया। संस्था के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लबाबा साहेब सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। उन्होंने समाज में बराबरी, स्वतंत्रता और भाईचारे की जो नींव रखी, वह आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक है।ह्व उन्होंने आगे कहा कि हर व्यक्ति को न्याय और अधिकार दिलाना ही बाबा साहेब के विचारों का मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम का आयोजन ह्यरोटी बैंकह्ल पर किया गया, जो पिछले 3 हजार से अधिक दिनों से लगातार जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध करा रहा है। संस्था का उद्देश्य केवल भोजन कराना ही नहीं, बल्कि समाज में शिक्षा, जागरूकता और समानता का प्रसार करना भी है। इस अवसर पर शहर के अनेक समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाबा साहेब के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने और समाज में समानता व सेवा की भावना को आगे बढ़ाने की शपथ ली। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री जे. के. अग्रवाल, लोकेंद्र सिंह, योगेश केसरी, पत्रकार शम्मी गौतम, दीपेश भारद्वाज सहित संस्था के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, सचिव नीरज गोयल, कोषाध्यक्ष सीए प्रतीक अग्रवाल, प्रवक्ता हिमांशु गौड़, तरूण राघव, निश्कर्ष गर्ग, सतेंद्र मोहन, डॉ. रंगेश शर्मा, अवधेश कुमार बंटी, टेकपाल कुशवाह, लोकेश सिंघल, विशाल सोनी, सौरभ शर्मा, आलोक अग्रवाल, सुनील कुमार, राहुल वार्ष्णेय आदि उपस्थित रहे।

भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान में जारी हुए विशेष स्मारक सिक्के

125 वीं जयंती (2015) पर 125 रुपए और 10 रुपए के विशेष सिक्के







अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल हाथरस। भारत सरकार ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के ऐतिहासिक योगदान और सामाजिक न्याय के लिए उनके अमूल्य कार्यों को सम्मानित करने हेतु समय-समय पर विशेष स्मारक सिक्के जारी किए हैं। ये सिक्के न केवल उनकी स्मृति को जीवित रखते हैं, बल्कि देशवासियों को उनके विचारों और आदर्शों से भी जोड़ते हैं। वर्ष 2015 में डॉ. आंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर 125 रुपए का विशेष स्मारक सिक्का जारी किया गया। यह उच्च मूल्य का सिक्का उनके राष्ट्रीय महत्व और संविधान निर्माण में उनकी भूमिका को दर्शाता है। इसी वर्ष 10 रुपए का स्मारक सिक्का भी जारी किया गया, जिसे आम प्रचलन में लाया गया ताकि आम जनता भी इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बन सके। इसके अलावा, वर्ष 1990 में उनकी जन्म शताब्दी (100वीं जयंती) के अवसर पर ?1 का स्मारक सिक्का जारी किया गया था। यह सिक्का उस समय डॉ. आंबेडकर के योगदान को व्यापक रूप से सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बना। ये सभी स्मारक सिक्के भारतीय इतिहास में डॉ. भीमराव आंबेडकर के अतुलनीय योगदान और उनके सामाजिक सुधारों की अमिट छाप को दर्शाते हैं। इसी अवसर को याद करते हुए हाथरस के जाने-माने एडवोकेट और पूर्व जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष मनमोहन शर्मा के पास मौजूद दुर्लभ और ऐतिहासिक मुद्राओं का संग्रह विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रहा है। हाथरस में स्थित मनमोहन शर्मा के संग्रह में भारत के प्राचीन नोट, सिक्के, पोस्टकार्ड और हुण्डी शामिल हैं। उनके संग्रह में दमड़ी, आना सहित कई ऐतिहासिक मुद्राएँ भी हैं।



नाव हादसा : अब तक यमुना नदी से खोजे गये 15 शव, अभियान जारी

दुर्घटना क्षेत्र को सात सेक्टर में बांट कर 24 घंटे चलाया जा रहा है सर्च अभियान





बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल मथुरा। 10 मार्च को दिन के करीब तीन बजे यमुना में हुए नाव हादसे के बाद बचाव दल ने 15 शव अब तक नदी से निकाले हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों का सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। 10 शव घटना वाले दिन ही बरामद कर लिये गये थे। रविवार तक मृतक संख्या 13 पहुंच गई थी। सोमवार को बचाव दल ने नदी से दो और शव बरामद किये हैं। हादसे में मरने वालों का आंकड़ा इसी के साथ 15 हो गया है। अभी भी बचाव और राहत कार्य जारी है। घायलों को उपचार दिया जा रहा है। दो शव सोमवार सुबह मिले। एक युवक का शव देवराहा बाबा घाट पर तो वहीं महिला का शव बंगाली घाट के समीप मिला है। नाव हादसे में अब कुल मृतकों की संख्या 15 हो गई है। वृंदावन में शुक्रवार दोपहर को हुए दर्दनाक मोटर बोट हादसे में लापता श्रद्धालुओं की तलाश जारी है। हादसे के बाद श्रद्धालुओं के घरों में मातम पसरा है। मथुरा से लेकर पंजाब तक लापता श्रद्धालुओं के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हादसे का शिकार हुए अधिकांश श्रद्धालु पंजाब के लुधियाना और जगरांव के रहने वाले थे। पंजाब और मथुरा के सोशल मीडिया ग्रुपों पर इन श्रद्धालुओं की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें लोग उनके सुरक्षित होने की दुआएं मांग रहे हैं। अपनों की तलाश में परिजन पंजाब से वृंदावन पहुंच चुके हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। प्रशासन और स्थानीय पुलिस के साथ-साथ एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें भी लापता श्रद्धालुओं की तलाश में जुटी हुई हैं। यमुना के तेज बहाव और गहरे घाटों के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आ रही हैं। 20 किलोमीटर की धारा को सात सेक्टर में बांटा गया है केसी घाट से लेकर गोकुल बैराज तक यमुना को सात सेक्टरों में बांटा गया है। 20 किलोमीटर के दायरे में यमुना में अब डूबे हुए लोगों की तलाश की जाएगी। डीआईजी आगरा रेंज के आदेश पर यमुना के सात सेक्टरों में सात थानेदार नजर रखेंगे। सोमवार सुबह पांच बजे से यमुना में एक बार फिर से पांच लोगों की तलाश गई। इस दौरान दो लाशें और मिल गईं। जनपद मथुरा में 10 अप्रैल 2026 को वृंदावन केसी घाट के निकट यमुना नदी में एक दुखदः नाव पलटने का हादसा हुआ था। जिसमें सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के इमरजेंसी रेस्पॉस सिस्टम द्वारा लोगों को रेस्क्यू किया गया था। 10 शव उसी दिन प्राप्त हुए थे। 18 लोगों को सुरक्षित निकाल किया गया था। उसके बाद से छह लोग लापता थे, जिनमें से तीन शव रविवार तक प्राप्त हो चुके थे। आज सुबह एक महिला का शव बंगाली घाट से प्राप्त हुआ है और एक पुरुष का शव देवरा बाबा आश्रम की तरफ प्राप्त हुआ है। लगातार एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्राईवेट गोताखोर सभी को सात सेक्टरों में बांट के सर्च ऑपरेशन चल रहा था। अभी जो शव बरामद किए गए हैं, इनको पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है। एक लोग अभी भी मिसिंग है। उनके संबंध में ड्रोन और एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के द्वारा अभी हम लोग सर्च कर रहे हैं।

-सुरेशचंद रावत, एसपी देहात

फरवरी की घटना से मिले थे संकेत, सचेत नहीं हुआ प्रशासन

मथुरा। सड़क परिवहन की तरह नदी परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए जनपद में कोई व्यवस्थित व्यवस्था नहीं है। गाड़ियों की तरह नवों की फिटनेस, चालकों की योग्यता, चालचलन, स्पीड नियंत्रण, नशे में परिवहन करने पर सजा सुनिश्चित करने नदी परिवहन और संचालन को नियंत्रित और सुरक्षित बनाने के लिए जनपद में को व्यवस्थित व्यवस्था नहीं है। नदी में नाव या स्टीमर दौडा रहा चालक नशे में तो नहीं है, इसकी जांच पड़ता की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। यहां तक कि चालक, ठेकेदार की चाल चलन, चरित्र प्रमाणपत्र जारी करने, चालक नौका परिवहन के लिए योग्य है या नहीं ऐसी कोई योग्यता सुनिश्चित करने के लिए कोई सिस्टम ही नहीं है। सड़क पर दौड रहे वाहन की फिटनेस जांची परखी जाती है, लेकिन स्टीमर या नावों के लिए जिला प्रशासन की ओर से ऐसी कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है। इतना ही नहीं चालक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए कोई पहचान पत्र तक जारी नहीं किये गये हैं। नदी पर्यटन, धार्मिक पर्यटन पर सरकार का ध्यान है। पिछले साल 10.2 करोड़ पर्यटक यहां आये यह आंकड़ा पर्यटन विभाग की ओर से जारी किया गया, बावजूद इसके इतनी बड़ी भीड़ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समुचित प्रयास और तक नहीं हुए हैं। नाव हादसा पहला और आखिरी हादसा नहीं है। फरवरी में विश्राम घाट पर ओवरलोड नौकाओं की टक्कर हो गई थी, स्थानीय गोताखोरों ने आठ लोगों की जान बचाई थी। इस दुर्घटना को संकेत मानते हुए किसी बड़ी घटना को टालने के लिए जिला प्रशासन कुछ प्रयास करता तो संभव है कि 10 अप्रैल को हुई घटना को टाला जा सकता था।

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Opinion

संभल
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

The Dangerous Optics of Letting Pakistan Broker Peace

Deepika Bhan

What could be more ironic or more unsettling than a country long accused of harbouring terrorists presenting itself as a venue for peace talks? The contradiction is not just hard to ignore; it is even harder to justify.

It becomes sharper when one considers that the United States -- a nation that suffered one of the deadliest terrorist attacks in modern history -- now finds itself relying, directly or indirectly, on Pakistan to facilitate pathways to peace. This is the same Pakistan that sheltered Osama bin Laden, the mastermind of 9/11, in Abbottabad, within walking distance of a military academy.

There is something deeply jarring about this spectacle -- Pakistan stepping into the role of diplomatic host and attempting to recast itself as a credible broker of dialogue and stability. But the fact is that the very tools required to foster trust -- consistency and credibility -- have rarely been associated with a country whose footprint appears repeatedly in the shadow of global terror.

For a country carved out in 1947 on religious lines, Pakistan's trajectory has been shaped less by internal consolidation and more by external hostility, particularly towards India. The record is not contested -- four wars, decades of cross-border tensions, and a persistent reliance on non-state actors. These are not fragments of a distant past; they continue to define the region's fragile security even today.

The most recent reminder came on April 22, 2025, in Pahalgam, where terrorists gunned down 25 tourists and a local pony operator in a brutal attack that shocked the world. The outrage was immediate and global, including from the United States.

For decades, Pakistan's international reputation has been dogged by accusations of deep-state links with extremist groups. These concerns have extended far beyond South Asia. From Afghanistan to incidents in the West, investigative trails have often pointed towards operatives, funding pipelines, or ideological networks with roots in Pakistan. Denials have been routine, but the pattern has been difficult to dismiss.

Nothing illustrates this more starkly than the events of September 11, 2001. Nineteen hijackers carried out coordinated attacks on the United States, bringing down the World Trade Center towers, striking the Pentagon, and crashing a fourth plane in Pennsylvania. Nearly 3,000 lives were lost in an act that reshaped global security. The investigations that followed raised troubling questions. Khalid Sheikh Mohammed, the principal architect of the



attacks, was captured in Pakistan -- not in a remote hideout, but in an urban setting. Osama Bin Laden's presence in Abbottabad only deepened the sense of disbelief over how such figures could remain undetected for so long.

Which makes the present moment all the more puzzling.

Consider Donald Trump's own record. In 2018, as President, he openly accused Pakistan of "lies and deceit", questioning the billions of dollars in American aid and alleging that Islamabad had offered safe havens to terrorists while taking US support.

Fast forward to now, and the shift in tone is striking. Trump appears to have rediscovered Pakistan as a partner. He has publicly praised General Asim Munir -- even calling him a "favourite Field Marshal" -- despite the general's record of provocative rhetoric rooted in religion and region, including remarks made shortly before the April 2025 Pahalgam attack. India responded with Operation Sindoor, a calibrated crackdown on terror networks. Trump, however, chose a different framing -- claiming credit for easing tensions between New Delhi and Islamabad and even floating the idea of a Nobel Peace Prize for himself. In doing so, he has, in effect, legitimised a state he once described as complicit in terrorism and has positioned it as a broker in a conflict that has put the whole world in peril.

What this moment exposes is not diplomacy, but a collapse of political consistency -- particularly in Washington. The same leader who once warned the world about Pakistan's duplicity now appears willing to overlook it.

The reality, however, remains unchanged. Pakistan has not fundamentally dismantled the infrastructure that has long defined its global reputation. Networks that have destabilised regions and claimed innocent lives continue to cast a long shadow. From sheltering Osama Bin Laden to enabling cross-border terror, the record is neither thin nor ambiguous. But, unfortunately, all this is being conveniently set aside.

And so, we arrive at a troubling paradox -- a country with such a history being projected as a facilitator of peace, while the world's most powerful nation looks the other way, conveniently sidestepping its evil deeds, such as the 26/11 Mumbai attacks, in which American citizens were also killed; the 2019 Pulwama attack; 2001 Indian Parliament attack, or the terrorism in Kashmir where thousands have died and lakhs uprooted.

The message this sends is dangerous. It suggests that accountability is negotiable, that inconvenient histories can be rewritten, and that strategic utility can outweigh sustained patterns of behaviour.

By legitimising Pakistan without demanding irreversible change, the US risks strengthening the very ecosystem it claims to fight, which is the terrorist supporting regimes. Peace, after all, cannot be outsourced to a state that has so often been part of the problem.

Gita in Practice

From the Perspective of a Seeker, Give Time a Chance



K SIVA PRASAD
Retired senior IAS officer in the Punjab Government.

To develop and ripen, a fruit absorbs nutrients from its parent tree. Eventually, it detaches itself from the tree to embark upon its own journey. The process of growing into a mature tree itself involves various stages of activity. Conversely, an unripe fruit must remain attached to the parent tree until it ripens—that is, until it becomes capable of commencing its journey independently.

However, a ripe fruit should not tempt an unripe fruit to leave the tree, for the latter is not yet ready to undertake an independent journey. If it fails to take the time to receive the necessary nourishment from the parent tree, it will perish. Therefore, Sri Krishna states: "A wise person—one who is steadfastly established in the true nature of the Supreme Self—should not unsettle the minds of the ignorant who remain attached to scripturally ordained duties by creating confusion or instilling a lack of faith in their actions. Rather, by diligently performing all scripturally ordained duties himself, he should inspire them to do the same" (3.26).

Earlier, Sri Krishna had stated: "The deluded individual who forcibly restrains his external senses but continues to dwell upon sense objects in his mind is deemed a hypocrite or a pretender" (3.6). Such individuals are merely deluding themselves; their condition is no different from that of the ignorant persons whose actions were forcibly halted by a wise individual—a scenario described in the aforementioned verse (3.26).



In a classroom of one hundred students, each student grasps the same lesson in a unique manner, based on their individual understanding and state of mind. Similarly, a "Sannyasi" (renunciate)—who has realized the futility of action-driven pursuits in life—should not encourage a "Brahmachari" (householder) to withdraw from family life. The "Brahmachari" is better positioned to learn the lesson regarding the futility of action-driven pursuits precisely through the experiences of his own family life. There is no other way.

Shri Krishna waited to awaken in Arjuna the hunger to learn the Gita. Until then, Shri Krishna allowed him to engage in worldly duties and to experience the joys and sorrows of life. The teachings of the Gita were imparted only when the opportune moment arrived. Thus, learning occurs when there is an inner hunger for it—a state in which everything we observe, and every situation in life that we encounter, can become a teacher. (To be continued)

The Warmest March

Pulaha Roy

The globe experienced its fourth-warmest March 1.48 degrees Celsius above the pre-industrial average (1850-1900) in 2026, according to Copernicus Climate Change Service (C3S).

The planet recorded its second-warmest sea surface temperature even as land temperatures were also factored in. This warmer-than-average sea water observation could pave the way for "likely transition toward El Niño conditions", the weather observation body noted. El Nino is the warmer phase of a recurring climate pattern across the tropical Pacific Ocean called the El Nino-Southern Oscillation. According to Carlo Buontempo, director at C3S, just the month of March reported "1.48°C above pre-industrial levels, the lowest Arctic sea ice extent on record for March, and sea surface temperatures again approaching historic highs."'Each figure is striking on its own together, they paint a picture of a climate system under sustained and accelerating pressure," Buontempo said.According to C3S, warmer-than-average temperature was reported across Eastern Europe, and the Russian Far East, the United States and the Himalayan and Tibetan Plateau region."In contrast, unusually cold conditions occurred across Alaska, most of Canada, southern Greenland, and northwest Siberia," C3S observed. C3S also observed that the average sea surface temperature between 60 degrees north and south which in geographical terms encompasses 95 per cent of the ocean except the water in the polar regions was 20.97 degrees Celsius. The warmest March on record was in 2024 during the last El Niño event, C3S observed.

March 2026 also broke the record for average sea ice extent in the Arctic region — 5.7 per cent below the 1991-2020 average. Earlier, March 2025 had the dubious distinction of having the lowest ice extent for the month.

In the Arctic region, "sea ice cover was most below average in the northern Barents Sea and Svalbard region, and in the Sea of Okhotsk, both of which experienced much warmer-than-average conditions during the month," C3S highlighted.In the Antarctic region, sea ice extent was 10 per cent below the March average. But according to the observation group, the number needs to be studied in context — "coming after four years of much larger negative anomalies in March (20% to 33% below average)". C3S also observed Europe to be drier-than-average while large parts of Australia received substantial rain leading to floods. India had a "normal" March in terms of precipitation and according to the India Meteorological Department's category — 14 per cent in excess of long-term average. Chhattisgarh, Eastern Madhya Pradesh and the Telangana meteorological subdivision reported large-deficient rainfall, while almost the whole of Eastern India and Assam experienced large-excess rainfall. (Courtesy: DTE)

The Camel Economy in Rajasthan

Believe it or not: The camel is synonymous with the image of Rajasthan, India's main desert state. Here, herders from Bikaner in the state's west lead their camels across fields in Dausa in the state's east.

These photos capture the current reality of the species in what was once its stronghold.

The loss of pastures and village commons to agricultural fields is one of several major reasons for the ongoing decline of the camel in Rajasthan.

Other causes include mechanisation of agriculture, and the Rajasthan Camel (Prohibition of Slaughter and Regulation of Temporary Migration or Export) Act, 2015, which crashed market prices by curbing sales.

The camel population in Rajasthan has declined by over 70 per cent since the 1990s, plunging from 746,000 in 1992 to just over 200,000 in the 2019 census, as they have become economically unviable for breeders.

Rajasthan is home to roughly 70–80% of India's camel population, serving as a critical hub for the dromedary camel. Primarily used for desert transportation, agriculture, and tourism, camels are integral to Thar Desert life. The state holds the annual Pushkar Camel Fair and has declared the camel its state animal, offering subsidies for breeding due to declining

The camel population in Rajasthan has declined by over 70 per cent since the 1990s, plunging from 746,000 in 1992 to just over 200,000 in the 2019 census, as they have become economically unviable for breeders.

Camel safaris in places like Jaisalmer are a major tourist activity, featuring overnight stays in desert camps and camel rides over sand dunes.

Population Decline & Protection: The population of camels in Rajasthan has decreased by 35% from 2012 to 2019, leading to the Rajasthan Camel Act of 2015, which prohibits the slaughter and illegal export of camels. numbers. (

According to FSSAI, camel milk must have a minimum fat content of 3%. Yet the fat content of milk from the same camel can vary between 1.9% and 4%, depending on season and diet. And consumers increasingly prefer lower-fat milk.

Camel breeders want to supply a natural product that consumers can trust. Feeding supplements or using additives in milk to meet arbitrary standards for fat content would not be the best way forward. Representations were made to request that the new standard be amended and we asked all to help raise awareness of the issue.

Ushtra Vikas Yojana, the Camel Development Scheme, was announced by the state government on 2 October 2016. 31.5 crore rupees has been allocated for the scheme over four years.

The camel pastoralists of Rajasthan believe that Shiva created them to be the guardians of the camel. They are the custodians of a long and proud heritage



which goes back at least 600 years.

Organisations including the FAO (Food and Agriculture Organisation of the United Nations) agree that the camel is a key resource for future food security in arid zones. Camel numbers are increasing in other countries in response to climate change and increasing economic viability.

But Rajasthan's heritage camel culture is disappearing fast. To maintain camel herds takes knowledge, expertise and a lot of hard work. The camels of Rajasthan cannot survive without their guardians. Courtesy: DTE)

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

Glamour

संभल
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)



The light has gone off from Asha Bhosle

Legendary singer Asha Bhosle breathed her last in Mumbai on Sunday at the age of 92. She was admitted to the Breach Candy Hospital on Saturday.

Doctor Prateet Samdani has shared that the singer was suffering from several medical complications and passed away due to multiple organ failure.

He said, "It is sad news that Asha Bhosle has passed away today. She was suffering from multiple medical complications and died due to multi-organ failure..."

Ashish Shelar, the Culture Minister of Maharashtra, announced the unfortunate news of Asha Bhosle's passing away outside the hospital.

Her last rites will take place at Shivaji Park, Mumbai, on Monday at 4:00 pm.

Asha Bhosle's son, Anand Bhosle, confirmed the news, saying that those who wish to pay their last respects to the singer can visit her Mumbai residence in Lower Parel on Monday at 11 AM.

My mother Asha Bhosle has passed away today. Tomorrow at 11 AM, people can pay their last respects at her residence...," he said.

On Saturday, Asha Bhosle's granddaughter, Zanai Bhosle, had stated that her grandmother was admitted to the hospital after suffering from extreme exhaustion and a chest infection.

Zanai wrote on her official Instagram account, "My grandmother, Asha Bhosle due to extreme exhaustion and suffering a chest infection has been admitted to hospital and we request you to value our privacy. Treatment is ongoing and hopefully everything will be well and we shall update you positively." Shifting our focus to her glorious term as a singer, Asha Bhosle sang her first song as a playback for the 1943 Marathi drama 'Majha Bal'.

Rupali Ganguly on Women's Reservation Bill: credits PM Modi for making it possible

Popular television actress Rupali Ganguly expressed her views on the Women's Reservation Bill during an exclusive interaction with IANS. Spilling her excitement, she credited Prime Minister Narendra Modi for empowering women with his various reforms.

The 'Anupamaa' actress was asked, "India is becoming such a country where 33% reservation for women is now going to happen in Parliament and State Assembly. And this bill, which was passed in 2023, is finally going to be implemented. From the next election, you will see 33% women in Parliament, so what do you have to say?"

Responding to the question, Rupali told IANS, "It took years. I think it took 27-28 years. In 2023, this bill was passed, and now it is going to be implemented. So, I am just so proud that for so many years, so many women must have fought for this. And today, they have reached this point, that finally, there will actually be 33% reservation for women in the Parliament."

Praising PM Modi for all that he has done for the female population of the country, she went on to add, "And this has been possible only after Modi ji's government came into



power. It took so many years. Modi ji, you see, all the reforms, all the things, he keeps women in the center. I mean, even if it's the Sukanya Samriddhi scheme, why didn't the other governments bring such a thing earlier? Remember, back then, we used to hear that girls had been killed, and there's so much female mortality, and even then, there were many places where, as soon as a girl was born, she was dipped in milk. But are you hearing all these things after Modi ji came to power? You are not. All that he is doing for the women, for the girls, it is simply commendable. Only Modi ji can do this. Because he sees every woman as his mother, his sister, his daughter."

The Voice that shaped Hindi Cinema

Asha Bhosle is one of India's most influential and versatile playback singers, with a career spanning over seven decades. Her contribution shaped the sound of Hindi cinema and extended across multiple Indian and international music traditions.

She was born on September 8, 1933, in Maharashtra and is the younger sister of Lata Mangeshkar. After her father's death, she began singing at a young age to support her family. Her early years in the industry were difficult, often limited to smaller songs and secondary roles, but she gradually built a distinct identity.

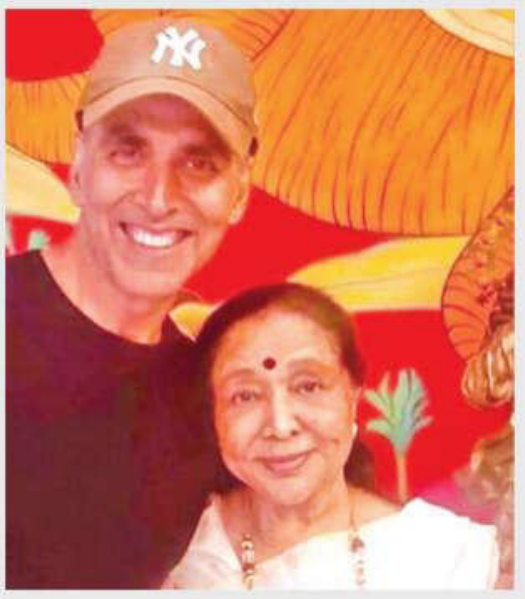
Her breakthrough came through collaborations with music director O. P. Nayyar, who helped establish her as a leading voice in the 1950s and 1960s. Later, her work with R. D. Burman redefined film music, introducing bold, modern sounds and Western influences.

Bhosle's iconic songs that defined an Era

Asha Bhosle's range is unmatched. She has sung romantic songs, cabaret numbers, classical-based compositions, ghazals, pop tracks and devotional music. Some of her most iconic songs include:

- ***"Piya Tu Ab To Aaja"*** from Caravan
- ***"Dum Maro Dum"*** from Hare Rama Hare Krishna
- ***"Chura Liya Hai Tumne"*** from Yaadon Ki Baaraat
- ***"In Aankhon Ki Masti"*** from Umrao Jaan
- ***"Rangeela Re"*** from Rangeela

Akshay Kumar, Raveena Tandon, Karan Johar & others pay heartfelt tribute to late Asha Bhosle



The entire film fraternity is in a state of shock after learning about the demise of legendary singer Asha Bhosle Actor ***Akshay Kumar*** took to his official social media handle to offer his tribute to the late singer. He wrote, "No words can convey the loss I feel at Asha Bhosle ji's demise. Unki surily awaaz hamesh hamesha ke liye amar rahegi. Om Shanti."

Actress ***Raveena Tandon*** also mourned the loss using the following words, "So today is the irreplaceable loss of what life takes away from us, the deepest loss to the industry, an irreplaceable loss to me and my entire being from childhood to now. Her biggest fan ever. Nobody, nobody like her. Ashaji you leave behind a legacy of music and sound that no one in the world could compare to. The greatest era of music ends here."



Filmmaker ***Karan Johar*** revealed that he has always been a fan of Asha Bhosle's voice in an emotional post that read, "To say we have lost a legend today would be an understatement. Asha ji was unlike any other, a voice that defined not only one generation but across a span of cinematic universe! I was and have been the massive fan of her voice, her art, her personality...Asha ji, your music will live on forever and we are blessed to experience the magic you have left behind forever! Rest in peace and power."





Actress ***Tanishaa Mukerji*** added, "Deeply saddened to hear about the legendary, phenomenal voice of India, Asha Bhosle ji having left us. It is beyond anybody's explanation what an impact she made not only on our lives but even on a personal level. The songs she sang for both, my mother and my sister will live forever in our memories. They have shaped so much of my childhood and my life. It is beyond any explanation what this feeling is... To have lost such a special, special soul like her. My condolences to the family and India for having lost such a brilliant voice."



Veteran actress ***Neetu Kapoor*** also shared a photo of Asha Bhosle on her Instagram Stories, along with the text, "End of an era- RIP", followed by broken heart and folded hands emoticons.

Sonu Nigam, father Jam to Rafi's *'Akele Hai Chale Aao'*

Acclaimed singer Sonu Nigam enjoyed a fun jamming session with his father, Agam Kumar Nigam, in the car. On Sunday, as the father and son duo were on their way, they decided to utilize this time to do some Riyaz.

While Sonu Nigam was on the harmonium, his father sang a beautiful rendition of Mohammad Rafi's "Akele Hai Chale Aao" track from the 1967 release "Raaz", starring Rajesh Khanna and Babita. However, this is not the first time Sonu Nigam and his father have treated the fans with what they have lovingly named #carmoniumsessions.

In March, Sonu Nigam dropped a candid yet beautiful rendition of the track "Yeh Desh Hai Veer Jawanon Ka" from the 1957 film "Naya Daur," featuring Dilip Kumar and Vyjayantimala as the lead. Sonu Nigam keeps his Instagram family hooked with such entertaining glimpses from both his personal and professional life.

On Thursday, he posted a throwback memory from the time when Arijit Singh visited his house after a long gap of 15 years.

As the two prominent names from the music industry met, Arijit presented Sonu Nigam with a plant, which the latter has placed in his home mandir. Providing the users with snippets from the meeting on social media, Sonu Nigam shared "#throwback : 13th Jan 2026 my adorable Arijit in my house. After almost 15 years. So proud of his journey through these years.. And he knows



very well how much I love him. The plant he brought, adorns my mandir."

"And then my little genius Shashwat and Magic also turned up to add more love. I might share Shashwat giving us all a performance of Soona soona on whistle.. It's the most lovable sight.. But.. I'll take that call later.. Let's see how many people desire to see it..," he went on to share.

Kunal Ganjawala shares a fun anecdote from 'Dil Keh Raha Hai' song

Singer Kunal Ganjawala revealed an exciting story behind the beloved track "Dil Keh Raha Hai" from Salman Khan and Kareena Kapoor's movie "Kyon Ki".

Kunal shared that he and composer Himesh Reshammiya ended up recording the entire track within just 20 minutes.

"The story behind it is very funny. So, when I sang the song, I received the lyrics via SMS. We were in the studio, and I got a call from Himesh Bhai (Reshammiya). His dad was supervising everything at the time, as Himesh himself was busy with another sitting."

Kunal added that Himesh had told him over the call that "We need the same romantic and youthful vibe as 'Hum Dum Suniyo Re' because this song his for Salman Bhai (Khan)".

After the song was already recorded, Himesh came to the studio and told his father, "Dad, this is not what I want. Maybe you misunderstood what I wanted."



Then they ended up completing the song in just 15-20 minutes.

"Himesh had a very clear picture of what he wanted," shared Kunal.

Talking about "Kyon Ki", made under the direction of Priyadarshan, the film has been backed by Sunil Manchanda and Mukesh Talreja under the banners of Orion Pictures and MAD Entertainment Ltd.

The film is a remake of Priyadarshan's own 1986 Malayalam outing "Thalavattam", which was inspired by the 1975 film of the title "One Flew Over the Cuckoo's Nest", based on Ken Kesey's 1962 novel of the same name.

With Salman Khan and Kareena Kapoor as the lead, the project further saw Jackie Shroff, Suniel Shetty, Rimi Sen and Om Puri in pivotal roles, along with others.

"Kyon Ki" talks about Anand, a mental hospital patient and a female doctor, Tanvi, who ends up getting emotionally attached to him.

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

व्यापार

संभल
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

साप्ताहिक निफ्टी पर ओपन इंटेरस्ट

24300-23800 के बीच निफ्टी की संभावना

13 अप्रैल को समाप्त होने वाले निफ्टी अनुबंधों के लिए ओपन इंटरेस्ट में निम्नलिखित परिवर्तन देखा गया है:

कॉल ओपन इंटरेस्ट का अधिकतम स्तर 24,500 पर है, इसके बाद 24,000 और 24,300 पर है, जो 24,200-24,300 के स्तर पर संभावित प्रतिरोध का संकेत देता है।पुट ओपन इंटरेस्ट का अधिकतम स्तर 24,000 पर है, इसके बाद 23,900 और 23,800 पर है, जो 23,900-23,800 के स्तर पर समर्थन का संकेत देता है।

***नोट:** ओपन इंटरेस्ट की कई व्याख्याएँ हो सकती हैं; हालाँकि, सामान्यत:, गिरते बाजार में कॉल ओपन इंटरेस्ट में वृद्धि प्रतिरोध का संकेत देती है, जबकि बढ़ते बाजार में पुट ओपन इंटरेस्ट में वृद्धि समर्थन का संकेत देती है।*

स्वदेश के साथ सीखें

कीमतों के बीच संबंध

अमेरिकी डॉलर सूचकांक और बेस मेटल की कीमतें विपरीत दिशाओं में चलती हैं। इसका कारण यह है कि तांबा, एल्युमीनियम, जस्ता और निकल जैसी बेस मेटल का वैश्विक स्तर पर व्यापार अमेरिकी डॉलर में होता है। जब अमेरिकी डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य मुद्राओं का उपयोग करने वाले खरीदारों के लिए इन धातुओं को खरीदना महंगा हो जाता है। परिणामस्वरूप, मांग धीमी हो जाती है और धातुओं की कीमतें आमतौर पर समय के साथ गिर जाती हैं। दूसरी ओर, जब अमेरिकी डॉलर कमजोर होता है, तो वैश्विक खरीदारों के लिए धातुएं सस्ती हो जाती हैं, जिससे मांग बढ़ती है और कीमतें ऊपर की ओर जाती हैं।

बाजार विश्लेषण

भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच निवेश के सबक





■ ज्ञानेश पाठक

भारतीय शेयर बाजार वर्तमान में एक दोहरी परिस्थिति से गुजर रहा है। एक तरफ जहाँ क्रिकेट की तरह अनुशासन और सटीक रणनीति ने टीम इंडिया को विश्व कप जिताया, वहीं दूसरी ओर यही सिद्धांत निवेशकों के लिए मौजूदा बाजार की अस्थिरता में मार्गदर्शक बन रहे हैं। अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने वैश्विक बाजारों में हलचल पैदा कर दी है, जिससे भारतीय बाजार भी अछूता नहीं रहा है।

भू-राजनीतिक तनाव और बाजार की चाल: पिछले कुछ हफ्तों में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। फरवरी में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की सकारात्मक खबरों के बावजूद, भू-राजनीतिक जोखिमों ने निवेशकों के उत्साह को ठंडा कर दिया है। विशेष रूप से, आईटी क्षेत्र में एआई-आधारित व्यवधान की आशंकाओं के कारण सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

कॉर्पोरेट आय और आर्थिक आधारभूत तत्व: दिसंबर तिमाही के नतीजे भारत के कॉर्पोरेट आय चक्र में सुधार का संकेत देते हैं। निफ्टी 500 कंपनियों ने बिक्री में 13 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले दस तिमाहियों में सबसे अधिक है। हालांकि, आय वृद्धि 9 प्रतिशत पर रही, जो उम्मीद से कुछ कम है। इस प्रदर्शन में मिड-कैप और स्मॉल-कैप कंपनियों ने बाजी मारी है ।

मिड-कैप आय वृद्धि: 20 फीसदी

स्मॉल-कैप आय वृद्धि: 13 फीसदी

लार्ज-कैप आय वृद्धि: 7 फीसदी

मैक्रो स्तर पर भारत की स्थिति सुदृढ़ बनी हुई है। जनवरी 2026 में मुद्रास्फीति दर 2.75 प्रतिशत रही, जबकि आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026 के लिए जीडीपी विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर की वृद्धि भारत की जीडीपी को 20-25 आधार अंक तक प्रभावित कर सकती है।

निवेशकों के लिए रणनीति

■कहाँ टिकें और कहाँ से बचें
बाजार की वर्तमान स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञों का दृष्टिकोण सतर्क सकारात्मकता वाला है। अल्पकालिक अस्थिरता को दीर्घकालिक निवेश के अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

■मिड-कैप पर भरोसा
मजबूत आय वृद्धि की संभावनाओं के कारण मिड-कैप कंपनियों को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि इनका मूल्यांकन थोड़ा अधिक है, लेकिन बेहतर प्रदर्शन इसे संतुलित करता है।

■लार्ज और स्मॉल-कैप में सतर्कता
विशेषज्ञ लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप में फिलहाल अंडरवेट रुख अपनाने की सलाह दे रहे हैं । वैश्विक अनिश्चितताओं और मुद्रा के उतार-चढ़ाव के कारण लार्ज-कैप सेगमेंट संवेदनशील बना हुआ है।

■फिक्स्ड इनकम
नीतिगत दरों में कटौती की संभावना कम होने के कारण निवेश के लिए 'अल्पावधि रणनीतियों' को प्राथमिकता दी जा रही है, जहाँ जोखिम कम और रिटर्न स्थिर है । बाजार की इस पारी में जीत उसी निवेशक की होगी जो क्रिकेट टीम की तरह अपनी भूमिका के प्रति स्पष्ट है, पोर्टफोलियो में विविधीकरण रखता है और वैश्विक शोर के बीच अपने निवेश अनुशासन को बनाए रखता है। भारत का दीर्घकालिक आर्थिक ढांचा अभी भी बेहद मजबूत बना हुआ है।

संपत्ति बेचने के बाद बांड में निवेश कैसे मिलता है आयकर का फायदा

सवाल - मेरे बेटे ने मार्च 2026 में दो भूखंड बेचे और ?1.22 करोड़ का दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ अर्जित किया। उसने धारा 54 ईसी के तहत छूट का दावा करने के लिए मार्च 2026 में ही ?50 लाख आई आर एफ सी पूंजीगत लाभ बांडों में निवेश किए। क्या वह धारा 54श्रष्ट के तहत एक और छूट का दावा करने के लिए अप्रैल/मई 2026 में ?50 लाख का और निवेश कर सकता है और शेष ?22 लाख के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर का भुगतान कर सकता है?

आज का सवाल

जवाब -आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54श्रष्ट सभी करदाताओं को भूमि और/या भवन की बिक्री से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) से छूट प्रदान करती है, बशर्ते पूंजीगत लाभ को बिक्री की तारीख से छह महीने के भीतर तय वित्तीय संस्थानों के बांडों में निवेश किया जाए।कानून यह भी प्रावधान करता है कि एक वित्तीय वर्ष में ऐसे एक या अधिक बांडों में कुल मिलाकर अधिकतम ?50 लाख का निवेश किया जा सकता है। कानून में यह भी प्रावधान है कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान अर्जित दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के संबंध में अधिकतम 50 लाख रुपये तक की छूट का दावा किया जा सकता है, भले ही छह महीने की अवधि दो वित्तीय वर्षों में शामिल हो।

चूंकि कानून में विशेष रूप से 50 लाख रुपये की सीमा निर्धारित की गई है, जिसके संबंध में किसी विशेष वित्तीय वर्ष के लिए छूट का दावा किया जा सकता है, भले ही 50 लाख रुपये के निवेश दो वित्तीय वर्षों में किए गए हों जो भूमि/भवन की बिक्री की तारीख से छह महीने के भीतर आते हों, इसलिए आप धारा 54ईसी के तहत केवल वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए 50 लाख रुपये तक की छूट का दावा कर सकते हैं।

हालांकि, यदि आपका पुत्र निर्धारित समयावधि के भीतर ?62 लाख के शेष दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ से संबंधित शुद्ध विक्रय राशि को आवासीय मकान में निवेश करता है, तो वह धारा 54स्त्र के तहत छूट का दावा कर सकता है, बशर्ते कि भूखंड की विक्रय तिथि पर उसके पास एक से अधिक आवासीय मकान न हों।

कृपया ध्यान दें कि धारा 54श्रष्ट के तहत छूट का दावा करने के लिए केवल दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ का निवेश करना आवश्यक है, जबकि धारा 54स्त्र के तहत छूट का दावा करने के लिए आपके पुत्र को आनुपातिक विक्रय राशि को आवासीय मकान में निवेश करना होगा।

जैसा कि आपने बताया है, पूंजीगत लाभ दीर्घकालिक होता है, इसलिए स्पष्ट है कि भूखंड 23 जुलाई 2024 से पहले खरीदे गए थे। अत:, यदि आपका पुत्र आवासीय मकान में निवेश नहीं करना चाहता है और यह मानते हुए कि कर कानूनों के अनुसार वह निवासी है, तो उसके पास दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर कर का भुगतान बिना इंडेक्सेशन के 12.50 प्रतिशत या इंडेक्सेशन के साथ 20 फीसदी की दर से करने का विकल्प है।

विलय - अधिग्रहण में अंतर

विलय दो कंपनियों का आपसी सहमति से एक इकाई में विलय है, जबकि अधिग्रहण में एक कंपनी दूसरी कंपनी को खरीदती है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर खरीदार कंपनी का उस पर नियंत्रण हो जाता है। विलय में आमतौर पर दो या दो से अधिक साझेदारों को मिलाकर एक नई फर्म बनाई जाती है, जबकि अधिग्रहण में अक्सर एक बड़ी कंपनी एक छोटी कंपनी का अधिग्रहण करती है।

विदेशी और देशी संस्थागत निवेशक गतिविधि (करोड़ में)

तारीख	विदेशी संस्थागत	देशी संस्थागत
8 अप्रैल	- 2812	7168.2
7 अप्रैल	- 8692.1	7979.5
6 अप्रैल	- 8167.2	8088.7
2 अप्रैल	- 9931.1	7208.4
1 अप्रैल	- 8331.2	7171.8
कुल	- 37933.5	34616.6

मार्च महिने के बाद अप्रैल माह में भी विदेशी निवेशक लगातार विकवाली कर रहे हैं। दूसरी तरफ देखी संस्थागत निवेशक खरीददार बने हुए हैं। बाजार को वास्तव में घरेलू निवेशकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। अन्यथा बाजार में गिरावट और भी ज्यादा गहरा जाती।

पांच साल बाद पीपीएफ कर सकते हैं बंद

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ योजना पैसों को सुरक्षित और लंबे समय के लिए निवेश करने के लिए लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है. इस स्कीम में लोग अपने पैसों को 15 साल की लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं और सालाना थोड़ी थोड़ी रकम निवेश भी करते हैं. फिलहाल पीपीएफ स्कीम में 7.1 प्रतिशत की ब्याज दर से प्रतिफल मिल रहा है. ऐसे में लंबी अवधि में इस स्कीम में अच्छा खासा प्रतिफल मिलता है.

यह योजना एक लंबी अवधि वाली योजना है. ऐसे में कई बार लोग इस स्कीम को बीच में ही छोड़ने के बारे में सोचते हैं और अपना पैसा वापस पाना चाहते हैं. अब ऐसी स्थिति में पीपीएफ के लिए क्या नियम है और लोग योजना से कैसे बाहर निकल सकते हैं । आइए जानते हैं -

समझें नियम

क्या पीपीएफ अकाउंट समय से पहले बंद कर सकते हैं ?

हां, निवेशक अपने खाते को समय से पहले बंद कर सकते हैं लेकिन इसके लिए एक समय होता है. निवेशक केवल 5 सालों के बाद ही अपना पीपीएफ अकाउंट बंद करवा सकते हैं यानी अगर आपको पीपीएफ में निवेश किए हुए 5 साल हो गए हैं तो आप निवेश को रोक सकते हैं. अगर आपके पीपीएफ खाते को 5 साल पूरे नहीं हुए हैं यानी आपका अकाउंट नया है तो आप उसे बंद नहीं करा सकते हैं.

पीपीएफ खाते को समय से पहले बंद करने की अनुमति केवल कुछ खास परिस्थितियों में ही मिलती है. इसमें गंभीर बीमारी के इलाज के लिए पैसा, उच्च शिक्षा के लिए खर्च और रेजीडेंसी में बदलाव जैसी स्थिति शामिल हैं. ऐसी स्थिति में ही लोग अपना पीपीएफ खाता बंद करा सकते हैं.

खाता जल्दी बंद करने पर कितना नुकसान

अगर आप खाता समय से पहले बंद करते हैं, तो आपको थोड़ा नुकसान भी उठाना पड़ता है. आपको पूरे समय के लिए मिलने वाले ब्याज में 1 प्रतिशत की कटौती की जाती है. इससे आपका कुल रिटर्न कम हो जाता है. यह बहुत बड़ा नुकसान नहीं है, लेकिन पीपीएफ के फायदे कुछ हद तक कम हो जाते हैं।

चार माह गिरावट के बाद आती है बाजार में अक्सर तेजी ! हो चुका है ऐसा सात बार



नवंबर 2025 से शुरू लगातार 4 माह की कमजोरी का सिलसिला मार्च 2026 आते-आते लगता है, थम गया है। आंकड़ों का विश्लेषण करें तो चार माह की गिरावट के बाद शेयर बाजार में अक्सर मजबूत रिकवरी देखने को मिलती है। आंकड़ों के अनुसार इतिहास में ऐसा केवल सात बार हुआ है, जब एनएसई का यह बेंचमार्क इंडेक्स चार माह या इससे ज्यादा समय तक गिरा रहा हो। दिलचस्प बात है कि ऐसे छह मामलों में, गिरावट खत्म होने के बाद के अगले एक साल में बाजार ने औसतन 40.7 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

अक्टूबर 1990 से जनवरी 1991 तक- आंकड़ों के अनुसार, 4 माह की गिरावट के बाद अगले एक साल में बाजार ने लगभग 117.9 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दिखाई। यह भारतीय बाजार के इतिहास के सबसे बड़े रिटर्न्स में से एक है। बता दें उस समय तक एनएसई की स्थापना नहीं हुई थी। इस लिए बीएसई के आंकड़ों के आधार पर बाजार का विश्लेषण किया गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के अजय चौरे कहते हैं अब एक फिर फिर एनएसई बेंचमार्क निफ्टी में तेज रिकवरी देखने को मिल सकती है।

1994-95 में देखने को मिली थी अब तक की सबसे लंबी गिरावट

सितंबर 1994 से अप्रैल 1995 तक का समय भारतीय शेयर बाजार के लिए एक बेहद चुनौतीपूर्ण और अस्थिर दौर माना जाता है। यह निफ्टी/बाजार इतिहास की सबसे लंबी गिरावटों में से एक रही, जो लगातार 8 माह तक चली। गिरावट के पीछे मुख्य कारण आर्थिक अनिश्चितता, नीतिगत बदलावों की धीमी गति और वैश्विक परिस्थितियों का प्रभाव रहा। 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद शुरुआती उत्साह तो दिखा, लेकिन 1994 तक आते-आते बाजार में ओवरवैल्यूएशन की स्थिति बन गई। इसके बाद गिरावट शुरू हो गई। बाद में बाजार गिरावट से उबरा और उसने निवेशकों को 25 प्रतिशत का रिटर्न दिया।



■ अनिरुद्ध प्रताप सिंह

साल 1998 की गिरावट और उसके बाद तेज रिकवरी

मई 1998 से अगस्त 1998 तक का समय भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस दौरान निफ्टी में लगातार चार महीनों तक गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के पीछे प्रमुख कारण एशियाई वित्तीय संकट और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता थी, जिसका असर भारत समेत कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा। मई 1998 में भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण (पोखरन-द्वितीय) के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगे, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी। कुछ ही दिनों में हालात स्थिर होने लगे। अगले एक साल में निफ्टी ने लगभग 65 प्रतिशत से अधिक का शानदार रिटर्न दिया।

डॉट-कॉम बबल फूटने से बाजार में आई बड़ी गिरावट

सितंबर 2000 से दिसंबर 2000 तक का समय शेयर बाजार के लिए एक कठिन दौर था, जब निफ्टी में लगातार गिरावट दर्ज की गई। गिरावट का मुख्य कारण डॉट-कॉम बबल फूटना था। 1990 के दशक के अंत में इंटरनेट और टेक्नोलॉजी कंपनियों में भारी निवेश हुआ था, जिससे उनके शेयरों की कीमतें वास्तविक मूल्य से कहीं अधिक बढ़ गई थीं। इसके बाद बिकवाली शुरु हो गई। इसका असर भारत समेत पूरी दुनिया के बाजारों पर पड़ा। खासकर टेक्नोलॉजी शेयरों में बड़ी गिरावट आई, जिससे निफ्टी नीचे चला गया। इसके तुरंत बाद बाजार में तेज रिकवरी नहीं आई, जैसा कि 1991 या 1998 में देखने को मिला था।

2008 का वैश्विक वित्तीय संकट और बाजार में भारी गिरावट

मई 2008 से अक्टूबर 2008 तक का समय भारतीय शेयर बाजार के इतिहास के सबसे कठिन दौरों में से एक माना जाता है। इस दौरान निफ्टी में लगातार छह महीनों तक गिरावट दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण वैश्विक वित्तीय संकट था। अमेरिका में लेहमन ब्रदर्स के दिवालिया होने के बाद पूरी दुनिया के वित्तीय बाजारों में हड़कंप मच गया। इसका असर भारत पर भी पड़ा। बाजार में तेज गिरावट आई। मार्च 2009 के निचले स्तर से अगले 1 साल में निफ्टी लगभग 75-85 फीसदी तक उछला।

6-नवंबर 2024 से फरवरी 2025- इस दौरान एनएसई के बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी में लगातार चार महीने गिरावट दर्ज की गई। जिससे बाजार में कमजोरी का माहौल बन गया। इस दौरान पैदा हुई अनिश्चितता ने निवेशकों के सेंटीमेंट को बुरी तरह से प्रभावित किया। चार माह के बाद यह दौर बीत गया और इसके बाद बाजार में मजबूत रिकवरी देखने को मिली। परिस्थितियां सुधरने और खरीदारी बढ़ने के चलते अगले एक साल में निफ्टी में लगभग 13.8 फीसदी का रिटर्न दिया, जिससे निवेशकों का भरोसा फिर से बहाल हुआ।

7-दिसंबर 2025 से मार्च 2026- इस दौरान निफ्टी में लगातार चार महीनों तक गिरावट दर्ज की गई, जिससे बाजार पर दबाव बना । इस अवधि में सूचकांक करीब 14.8 प्रतिशत तक लुढ़क गया, जो निवेशकों के लिए चिंताजनक था। हालांकि, इसके बाद बाजार में सुधार के संकेत मिले और खरीदारी लौटने लगी। निचले स्तरों से निफ्टी में अच्छी रिकवरी देखने को मिली और लगभग 12-15 प्रतिशत तक का रिटर्न उछाल के रूप में दर्ज हुआ, जिससे निवेशकों का भरोसा फिर से मजबूत हुआ।

10 दिन में निकाले 48 हजार करोड़

विशेष प्रतिनिधि ■ मुंबई

अप्रैल महीने की शुरुआत से ही भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है। पहले 10 दिनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने करीब ?48,213 करोड़ की निकासी कर ली है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है।

इससे पहले मार्च में भी विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड स्तर पर करीब ?1.17 लाख करोड़ की निकासी की थी, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक आउटफ्लो रहा। हालांकि फरवरी में उन्होंने ?22,615 करोड़ का निवेश किया था, जो 17 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर था, लेकिन इसके बाद रुख पूरी तरह बदल गया।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक, साल 2026 में अब तक एफपीआई कुल मिलाकर करीब ?1.8 लाख करोड़ की निकासी कर चुके हैं। केवल अप्रैल में ही 10 तारीख तक कैश मार्केट से ?48,213 करोड़ बाहर निकल चुके हैं।

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस लगातार बिकवाली के पीछे वैश्विक कारण अहम हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और महंगाई को लेकर बढ़ती चिंता ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है।

मौजूदा हालात में निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल के दाम ऊपर गए हैं, जिससे वैश्विक महंगाई को लेकर चिंता फिर से बढ़ी है और यही वजह है कि विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से दूरी बना रहे हैं । वेस्ट एशिया के संघर्ष से पैदा हुआ ऊर्जा संकट, भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित दबाव और रुपये की लगातार कमजोरी ने एफपीआई को सतर्क बना दिया है। यही वजह है कि वे बाजार में खरीदारी से दूरी बनाए हुए हैं।

इस समय दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे बाजार एफपीआई को ज्यादा आकर्षित कर रहे हैं क्योंकि वहां कमाई की ग्रोथ भारत के मुकाबले बेहतर रहने की उम्मीद है। वहीं भारत में वित्त वर्ष 2027 के लिए ग्रोथ अनुमान अपेक्षाकृत कमजोर नजर आ रहे हैं।

हालांकि हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष विराम की खबर आई, लेकिन इससे भी एफपीआई की बिकवाली पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

एंजेल वन के सीनियर फंडामेंटल एनालिस्ट वकार जावेद खान ने कहा कि एफपीआई ने इस राहत भरी तेजी को बाजार से निकलने के मौके के तौर पर इस्तेमाल किया। यानी जैसे ही बाजार में थोड़ी मजबूती आई, निवेशकों ने उसे एग्जिट के लिए सही समय माना।

खान के अनुसार, आगे एफपीआई का रुख बदल सकता है लेकिन इसके लिए कुछ अहम शर्तें पूरी होना जरूरी हैं। सबसे पहले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल सप्लाई का भरोसेमंद तरीके से दोबारा शुरू होना जरूरी है। दूसरा, रुपये में स्थिरता आनी चाहिए। तीसरा, भारत की चौथी तिमाही के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि एफपीआई का रुख तेजी से बदल सकता है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आर्थिक हालात उनके पक्ष में बनें।